संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 302
पृष्ठ 8
बुधवार
22 जुलाई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- वेट लॉस लग रहा है मुश्किल...
विचार- एक देश एक चुनाव की अवधारणा...
खेल- कोच गंभीर पर भड़का यह दिग्गज...

352 करोड़ की 70 परियोजनाओं का तोहफा देकर बोले मुख्यमंत्री

बहराइच अब आकांक्षी नहीं, विकास की नई पहचान

बहराइच,संवाददाता। सीएम योगी ने बहराइच में कांग्रेस और सपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा– 2017 से पहले एक खानदान सारे पैसे को हड़प जाता था। कहीं चाचा ने, कहीं भतीजे ने, कहीं किसी और नाते–रिश्तेदार ने। महाभारत के सारे रिश्ते वहां थे। खूब लूट–खसोट चलती थी, खूब अराजकता फैलती थी। अगर किसी ने आवाज उठा दी तो फिर उसके घर को यह लोग कब्जा कर देते थे।

सीएम ने कहा कि– पा सरकार में बबुबा 12 बजे सोकर उठते थे। दो बजे तैयार होते थे। फिर चच्चू से पूछते थे कि क्या करना है। चच्चू उन्हें समझाते थे, लेकिन उन्हें कुछ समझ नहीं आता था। उसके बाद शाम को 5 बजे उनके जिम जाने का समय हो जाता था। उसके बाद रात को उनकी महफिल सज जाती थी। सारी योजनाओं का वहीं पर बंटाधार हो जाता था। योगी ने 352

करोड़ रुपए से अधिक की 70 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास–लोकार्पण किया। कहा– सपा–कांग्रेस विदेशी आक्रांता गाजी मिंया के नाम पर मेले लगवाते। इन्होंने कभी महाराजा सुहेलदेव के नाम पर मेला नहीं लगवाया, जबकि सुहेलदेव ने गाजी को युद्ध में हराया। उसे ऐसी मौत दी, जिसे इस्लाम में सबसे बड़ी सजा मानी जाती है। योगी ने कहा– कांग्रेस और सपा ने विदेशी आक्रांता, देश को लूटने वाले सालार मसूद गाजी के नाम पर मेला लगाना शुरू कर दिया, जबकि महाराजा सुहेलदेव के नाम पर मेला नहीं लगाया। हमारी सरकार ने किसी भी विदेशी आक्रांता के नाम पर मेला नहीं लगने दिया। आगे भी किसी आक्रांता के नाम पर कोई आयोजन न हो, इसकी पूरी व्यवस्था की जा रही है।

सालार मसूद गाजी को ऐसी मृत्यु मिली, जिसे इस्लाम में सबसे बड़ी सजा माना जाता है। उसे महाराजा सुहेलदेव ने युद्ध में पराजित किया था। जो काम कांग्रेस और सपा नहीं कर सकीं, वह हमारी सरकार ने किया। आज महाराजा सुहेलदेव के नाम पर भव्य स्मारक बनाया गया है। बहराइच अपने गौरव के साथ आगे बढ़ रहा है।

सुहेलदेव के नाम पर मेडिकल कॉलेज स्थापित किया गया है। बालार्क ऋषि के नाम पर अस्पताल बनाया गया है। बाराबंकी से बहराइच तक फोर लेन सड़क परियोजना को स्वीकृति दी गई है। कृषि के क्षेत्र में बहराइच देश में दूसरे स्थान पर तथा शिक्षा के क्षेत्र में चौथे स्थान पर पहुंचा है। यहां के कस्तूरबा गांधी विद्यालय को 12वीं तक अपग्रेड किया गया है। दलित एवं वंचित समाज के 500 परिवारों, जो भरतपुरा में विस्थापित हुए थे, उनके लिए कॉलोनी बनाई गई है। बहराइच के विकास को और मजबूती दी जाएगी। यह भगवान श्रीराम के पुत्र की कर्मभूमि है, जिन्होंने श्रावस्ती को अपनी राजधानी बनाया था। यह महाराजा सुहेलदेव और बालार्क ऋषि की भी कर्मभूमि है। सीएम ने कहा कि पैसा पहले भी था, लेकिन नियत साफ नहीं थी। एक ही खानदान उसे हड़प जाता था। कहीं चाचा, कहीं भतीजा, तो कहीं दूसरे रिश्तेदार। महाभारत के सारे रिश्ते वहां थे। आवाज उठाने वालों की जमीन और घर तक कब्जा कर लिए जाते थे। अब योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंच रहा है। 15 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन और 10 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा मिल रहा है। किसी जरूरतमंद के बारे में जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री राहत कोष से भी तुरंत आर्थिक मदद दी जाती है। सीएम योगी ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि 2017 से पहले किसान आत्महत्या करता था। उन्होंने कहा, उस समय न बेटियां सुरक्षित थीं, न व्यापारी।

एनडीए की बैठक में बोले पीएम मोदी, हम छात्रों के साथ हैं

नई दिल्ली,एजेंसी। संसद के मानसून सत्र के बीच मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक श्मंगल मिलनश संसद पुस्तकालय भवन के जी.एम.सी. बालयोगी ऑडिटोरियम में आयोजित की गई। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सभी प्रमुख दलों के सांसद और वरिष्ठ नेता शामिल हुए। इस बैठक के दौरान संसद के मानसून सत्र की रणनीति, सरकार के विधायी एजेंडे और विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की गई। साथ ही एनडीए के सभी सहयोगी दलों के बीच बेहतर समन्वय और सदन में एकजुट होकर सरकार का पक्ष रखने पर भी जोर दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक में कहा कि नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में सरकार ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने बैठक के बाद यह जानकारी दी। रिजिजू के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने कहा कि नीट पुनर्परीक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई और छात्रों का भविष्य प्रभावित न हो, इसलिए बिना किसी देरी के परिणाम घोषित किए गए। प्रधानमंत्री ने बैठक में यह भी बताया कि पेपर लीक की घटना सामने आते ही सरकार ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 13 लोगों को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि मामले में शामिल लोगों को जेल भेजा गया है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त व्यवस्था की गई है। किरेन रिजिजू के अनुसार, प्रधानमंत्री ने विभिन्न देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का भी उल्लेख किया। उन्होंने सांसदों को भरोसा दिलाया कि किसी भी एफटीए में किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता किसानों का कल्याण है और हर व्यापार समझौता देश और किसानों के हितों को ध्यान में रखकर किया जाएगा। किरेन रिजिजू का यह बयान ऐसे समय आया है, जब कथित नीट–यूजी 2026 पेपर लीक को लेकर सीजेपी

का विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। सोमवार को पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात कर अपनी मांगें रखीं। वहीं, संसद की ओर निकाले गए मार्च के दौरान प्रदर्शन हिंसक हो गया था। किरेन रिजिजू ने कहा कि एनडीए संसदीय दल की बैठक काफी उपयोगी रही। प्रधानमंत्री ने सांसदों को कई महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन दिया और पिछले कुछ महीनों में देश की उपलब्धियों की जानकारी भी साझा की। उन्होंने कहा कि बैठक में हाल ही में राज्यसभा पहुंचे नए सांसदों, जिनमें नितिन नवीन भी शामिल हैं, का स्वागत किया गया। वहीं, एनडीए की संसदीय दल की बैठक श्मंगल मिलनश पर भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने कहा, यह बहुत अच्छा मिलन था।

दिल्ली हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, सोनम वांगचुक होंगे मेदांता अस्पताल शिफ्ट

नयी दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के इलाज को लेकर अहम आदेश जारी करते हुए उन्हें सफदरजंग अस्पताल से मेदांता अस्पताल स्थानांतरित करने की अनुमति दे दी है। यह फैसला उनकी पत्नी गीतांजलि आंग्मो की याचिका पर मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने सुनाया। अदालत ने निर्देश दिया कि मेदांता अस्पताल में वांगचुक के उपचार के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों का एक विशेष मेडिकल पैनल बनाया जाए। साथ ही अब तक की सभी मेडिकल जांच रिपोर्ट और स्वास्थ्य संबंधी दस्तावेज इस पैनल को उपलब्ध कराए जाएं, ताकि इलाज बिना किसी बाधा के आगे बढ़ सके। याचिका में गीतांजलि आंग्मो ने दावा किया था कि सोनम वांगचुक को उनकी इच्छा के विरुद्ध सफदरजंग अस्पताल में रखा गया है। उन्होंने यह भी कहा कि परिवार को सरकारी चिकित्सा व्यवस्था पर भरोसा नहीं है और इसलिए उन्हें अपनी पसंद के निजी अस्पताल में भर्ती कराने की अनुमति दी जाए। इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट की एकल पीठ ने अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया था और सफदरजंग अस्पताल से डिस्चार्ज कर निजी अस्पताल भेजने की अनुमति नहीं दी थी। मामले की सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने अस्पताल प्रशासन और केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर वांगचुक की स्वास्थ्य स्थिति पर विस्तृत मेडिकल रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। अदालत ने एम्स, सफदरजंग अस्पताल और एक निजी लैब की रिपोर्ट भी उपलब्ध कराने को कहा था। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया था कि इलाज के दौरान सूचित सहमति और मौलिक अधिकारों की अनदेखी की गई। सोनम वांगचुक पिछले 24 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं। उन्हें जंतर–मंतर से हटाकर सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने पहले कहा था कि यदि संसद में छम्म्ज पेपर लीक मामले पर चर्चा और जवाबदेही सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया जाता है तो वे अपना अनशन समाप्त कर देंगे।

केजरीवाल का मोदी सरकार पर हमला, प्रदर्शनकारियों के लिए शुरू की कानूनी और मेडिकल हेल्पलाइन

नयी दिल्ली,एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपह) के प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान हुई कार्रवाई बेहद कठोर थी और इसकी तुलना अंग्रेजों के दौर की बर्बरता से भी नहीं की जा सकती। मंगलवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में केजरीवाल ने घोषणा की कि आम आदमी पार्टी ने घायल प्रदर्शनकारियों को चिकित्सा सहायता और हिरासत में लिए गए छात्रों के परिजनों को कानूनी मदद उपलब्ध कराने के लिए एक हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद परिवार हेल्पलाइन पर संपर्क करें, पार्टी हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएगी। केजरीवाल ने दावा किया कि सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में पुलिस बिना किसी उकसावे के छात्रों और छात्राओं पर लाठीचार्ज करती दिखाई दे रही है। उन्होंने इस कार्रवाई की आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह की घटनाएं लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वह स्वयं प्रदर्शन में शामिल नहीं हो सके, लेकिन उनके दोनों बच्चे प्रदर्शनकारियों के साथ मार्च में मौजूद थे। केजरीवाल ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि छात्रों को राष्ट्रविरोधी बताने के बजाय सरकार को परीक्षा प्रणाली और कथित पेपर लीक जैसी समस्याओं के समाधान पर ध्यान देना चाहिए।

राहुल गांधी ने सरकार पर साधा निशाना,बोले–

पीएम मोदी माफी मांगें और इस्तीफा दें, अमित शाह भी पद छोड़ें

नयी दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और विपक्षी दलों के कई नेताओं ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर प्रदर्शनकारियों पर कथित बल प्रयोग का मुद्दा उठाया। विपक्षी नेताओं ने छात्रों के खिलाफ सोमवार को हुई कार्रवाई को लेकर सदन में चर्चा की अनुमति देने का आग्रह किया। सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के कक्ष में पहुंचा और अपनी मांग रखी। इस दौरान समाजवादी पार्टी (सपा), वाम दलों, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और

अन्य विपक्षी दलों के नेता भी मौजूद रहे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली में सोमवार को प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को लेकर मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को माफी मांगनी चाहिए और पद से इस्तीफा देना चाहिए। राहुल ने संसद परिसर में संवाददाताओं से यह भी कहा छात्रों की पिटाई के लिए गृह मंत्री अमित शाह को भी त्यागपत्र देना चाहिए। इससे पहले, उन्होंने कई विपक्षी नेताओं के साथ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर छात्रों से जुड़े मुद्दों पर सदन में चर्चा कराने की मांग की।

संसद मार्च के बाद अभिजीत दीपके ने सरकार पर लगाए आरोप, कहा

नड्डा के घर किया गया नजरबंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके और प्रवक्ता आशुतोष रांका ने सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात को लेकर कहा कि सीजेपी के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को नजरबंद किया गया। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। इसके साथ ही दिल्ली पुलिस के पुरुष कर्मियों पर महिलाओं के खिलाफ हिंसा का

आरोप लगाया है। दीपके ने पत्रकारों से बताया कि श्जेपी नड्डा ने हमारे पैनल को चर्चा के लिए आमंत्रित किया था। उन्होंने समाधान निकालने और बातचीत करने का वादा किया था। लेकिन बातचीत के लिए बुलाने के बाद, उन्होंने यहां लाठीचार्ज कर दिया।

जर्जर सड़क पर पैदल चलना हुआ मुश्किल

प्रयागराज। अमिलिया कला से सोनारकातारा जाने वाली सड़क जर्जर हो गई है। जिस पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं की गई है। ग्रामीणों ने बताया कि एनटीपीसी की ओर से सड़क पर बनाई पुलिया में बारिश का पानी भर जाता है। जिससे आवाजाही में परेशानी बढ़ जाती है। स्थानीय निवासी श्याम द्विवेदी ने बताया कि शिकायत पर लोक निर्माण विभाग कोई कार्यवाही नहीं कर रही है। जिससे सड़क खराब होती जा रही है। जिससे बच्चे पैदल स्कूल नहीं जा पा रहे हैं।

ओवरब्रिज निर्माण का किया निरीक्षण

प्रयागराज। स्थानीय रेलवे स्टेशन के अंतर्गत आने वाली निंदूरा रेलवे क्रॉसिंग पर प्रस्तावित रेल ओवरब्रिज के निर्माण कार्य का संबंधित विभागों ने संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण कर कार्य की रूपरेखा तैयार की। ओवरब्रिज से क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों और राहगीरों को जाम से मुक्ति मिलेगी। योजना को

धरातल पर उतारने के लिए सेतु निगम के अधिकारियों और इंजीनियरों ने पिछले दिनों प्रस्तावित स्थल का जायजा लिया था। इस दौरान तकनीकी बारीकियों की जांच के साथ मिट्टी के नमूने एकत्र किए गए थे। सोमवार को सेतु निगम के सुपरवाइजर भास्कर पांडेय ने परियोजना में आड़े आने वाली उपयोगिताओं को स्थानांतरित करने के लिए जलनिगम, वन विभाग, नगर पंचायत प्रशासन और बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ मौका मुआयना किया। सेतु निगम के अवर अभियंता अजीत सिंह ने बताया कि सभी संबंधित विभागों को दो दिनों के भीतर मूल्यांकन कर प्रस्तुत करने को कहा गया है।

एसडीएम ने सीएचसी का किया औचक निरीक्षण

प्रयागराज। क्षेत्र के नवागत उपजिलाधिकारी हीरालाल सैनी ने सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फूलपुर का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल में दवा वितरण, साफ–सफाई, पेयजल, वार्डों की व्यवस्था, चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति की जांच की। एसडीएम ने

मरीजों और तीमारदारों से बातचीत कर उपचार, दवाओं की उपलब्धता और अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों ने अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों, चिकित्सकों की तैनाती और संचालित स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दी। एसडीएम ने कहा कि आमजन को बेहतर और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है। स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रेरुआ में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत, छह झुलसे

प्रयागराज। नवाबगंज थाना क्षेत्र के रेरुआ गांव में सोमवार दोपहर बिजली गिरने से दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सोमवार की दोपहर क्षेत्र में जोरदार बारिश हुई। इस बीच नवाबगंज के रेरुआ गांव में अमरूद के बाग में खड़े लोग बिजली गिरने से झुलस गए। सभी को सीएचसी कौड़िहार ले जाया गया। जहां हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने संजीत कुमार (48) पुत्र रामलोचन निवासी रघुवंशपुर उर्फ रेरुआ और नागेश कुमार (40) पुत्र शंभू निवासी बैरहना सम्हई को एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया। इस बीच शहर ले जाते समय रास्ते में दोनों की मौत हो गई। मृतक संजीत चार भाइयों में दूसरे नंबर का था। घटना से पत्नी अनीता, पुत्र दीपक, अमन व छोटू का रो– रोकर हाल बेहाल है। झुलसे लोगों में रघुवंशपुर उर्फ रेरुआ के सोनू पुत्र सुरेश, अजय कुमार पुत्र धर्मदास, अंजय पुत्र मगन्नू, राजकुमार पुत्र सूरज और बैरहना सम्हई के खुन्नू मिश्र पुत्र पुरुषोत्तम हैं।

घटना की जानकारी नहीं है। प्रशासन को पता होगा। पता कर मुआवजा आदि करवाते हैं।–श्यामजीत प्रमिला सिंह, एसीपी सोरांव

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

प्रयागराज। क्षेत्र के भरहा गांव में 22 वर्षीय विवाहिता की

संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलने पर सोमवार सुबह पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक के मायके पक्ष ने दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए पति समेत ससुराल पक्ष के चार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। देवरिया गांव निवासी विवाहिता के पिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि करीब 13 महीने पहले उन्होंने बेटी चांदनी पटेल की शादी भरहा गांव निवासी युवक से की थी।

आरोप है कि शादी के बाद से ही अतिरिक्त दहेज की मांग करते हुए बेटी का उत्पीड़न किया जा रहा था। कई बार उसने फोन कर मारपीट और जान का खतरा होने की जानकारी भी दी थी। परिजनों का आरोप है कि विवाहिता की मौत रविवार को हुई थी लेकिन इसकी सूचना उन्हें देर से दी गई। मायके पक्ष ने हत्या की आशंका जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। थाना प्रभारी रणविजय सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट और प्राप्त तहरीर के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच जारी है।

पहली बार सोलर कोच तैयार, सौर ऊर्जा से चलेंगे पंखे-लाइट, सात किलोवाट के पैनल से चार्ज होंगी बैटरियां

प्रयागराज। रेलवे में पहली बार सोलर कोच तैयार किए गए हैं। यह कोच यात्री ट्रेनों में लगाए जाएंगे। इन कोच की बैटरियों की कार्यक्षमता भी बढ़ेगी। छत पर लगाए गए सात किलोवाट के पैनल से बैटरियां चार्ज होंगी।

पर्यावरण–अनुकूल और ऊर्जा–कुशल रेल संचालन की दिशा में उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) ने पहली बार विशेष सोलर कोच तैयार किया है। आने वाले दिनों में एनसीआर की ट्रेनों में सौर ऊर्जा से लाइट और पंखे चलेंगे।

एनसीआर के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह के दिशा–निर्देशन में इसे तैयार किया है। कोच की छत पर उच्च क्षमता वाले सोलर फोटोवोल्टिक पैनल लगाए गए हैं जो सीधे सूर्य के प्रकाश से बिजली बनाकर बैटरी बैंक को चार्ज करते हैं।

पायलट प्रोजेक्ट के तहत इस डिब्बे की छत पर करीब सात किलोवाट–पीक (केडब्ल्यूपी) क्षमता का सोलर सिस्टम स्थापित किया गया है। दिनभर मिलने वाली धूप का उपयोग करने से पारंपरिक बिजली उत्पादन पर निर्भरता काफी हद तक कम हो जाती है।

रेलवे अधिकारियों का मानना है कि सोलर पैनल के इस इस्तेमाल से न केवल भारी

मात्रा में ऊर्जा की बचत होगी, बल्कि पारंपरिक चार्जिंग सिस्टम पर पड़ने वाला भार भी घटेगा। इससे बैटरियों की कार्यक्षमता और उम्र बढ़ेगी जिससे रखरखाव का खर्च कम होगा और ऑनबोर्ड बिजली सेवाओं की विश्वसनीयता में बड़ा सुधार आएगा। आने वाले दिनों में इस तरह के कोच यात्री ट्रेनों में लगाए जाएंगे। इसकी शुरुआत जनरल और स्लीपर कोच से होगी।

आईसीएफ यात्री डिब्बों में एक्सल–ड्रिवन अल्टरनेटर का इस्तेमाल

आमतौर पर आईसीएफ यात्री डिब्बों में बिजली की आपूर्ति के लिए कोच के नीचे लगे एक्सल–ड्रिवन अल्टरनेटर का इस्तेमाल किया जाता है। ट्रेन के पहियों की गति से बेल्ट के जरिये चलने वाला यह अल्टरनेटर बैटरी बैंक को चार्ज करता है और डिब्बों में रोशनी, पंखे तथा मोबाइल चार्जिंग जैसी सुविधाएं मुहैया कराता है।

यह पारंपरिक व्यवस्था दशकों से प्रभावी रही है लेकिन इसकी क्षमता पूरी तरह से ट्रेन की आवाजाही पर निर्भर रहती है। साथ ही, इसमें यांत्रिक और विद्युत रूपांतरण के दौरान ऊर्जा का नुकसान भी होता है।

यह परियोजना हरित पहलों, तकनीकी नवाचार और ऊर्जा संसाधनों के कुशल उपयोग के प्रति एनसीआर की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस पायलट प्रोजेक्ट से मिले अनुभवों का उपयोग भविष्य में अन्य यात्री डिब्बों में सौर ऊर्जा तकनीकों को लागू करने के लिए किया जाएगा। – डॉ. शिवम शर्मा, सीपीआरओ, एनसीआर

करंट से युवक की मौत पर फूटा गुस्सा, मांडा पावर हाउस का घेराव

प्रयागराज। बेदौली गांव में हाईटेंशन तार की चपेट में आकर झुलसे युवक की एक सप्ताह बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। बेदौली निवासी जितेंद्र कुमार यादव (31) पुत्र अमरनाथ बीते 13 जुलाई को खेत की जुताई के लिए जा रहे थे। बेदौली और गुदुनपुर गांव के बीच चकमार्ग पर 33 हजार वोल्ट का तार काफी नीचे लटक रहा था। इसी दौरान वह उसकी चपेट में आ गए और झुलस गए थे। सोमवार को उनकी मौत हो गई।

थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार वर्मा ने बताया कि मृतक के पिता की तहरीर पर बिजली विभाग के जेई व लाइनमैन के खिलाफ लापरवाही की प्राथमिकी दर्ज की गई है। इधर, युवक की मौत के बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गए। समाजसेवी अमित पांडेय रफ्तार की अगुआई में मांडा पावर हाउस का घेराव कर दिया गया।

मौके पर पहुंचे एसडीओ अशोक कुमार व थाना प्रभारी अनिल वर्मा ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे उच्च अधिकारियों को

मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े थे। अधिकारी के न पहुंचने पर आक्रोशित लोग पदयात्रा निकालते हुए डीम कार्यालय का घेराव करने निकल पड़े। इसबीच प्रदर्शनकारी मांडा से दिघिया चौकी तक पैदल मार्च करते हुए नारेबाजी करते रहे।

यमुनापार विकास मंच के अध्यक्ष सर्वेश उर्फ बाबा तिवारी ने हस्तक्षेप कर लोगों को शांत कराया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि मृतक जितेंद्र यादव के परिवार को न्याय दिलाने तक आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शनकारियों ने मृतक के परिजनों को मुआवजा, एक सदस्य को नौकरी और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग उठाई।

खेत की बाड़ में दौड़ते करंट की चपेट में आई महिला, मौत

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के सारीपुर गांव में रविवार देर खेत में करंट प्रवाहित बाड़ की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। पति उसे बचाने के प्रयास में झुलस गया। सारीपुर गांव निवासी दुर्गा प्रसाद द्विवेदी रविवार देर रात पत्नी पुष्पा (45) के साथ खेत की सिंचाई कर रहे थे। रात करीब दो बजे दोनों खेत की मेड़ पर देख रहे थे कि पूरे खेत में पानी पहुंचा है या नहीं। इसी दौरान बगल वाले खेत के चारों ओर लगे लोहे के तार की बाड़ के पास पहुंचते ही महिला करंट की चपेट में आ गई।

बताया जा रहा है कि पास में खेत की सुरक्षा के लिए लगाए गए लोहे के तार में घर से बिजली का कनेक्शन जोड़कर करंट प्रवाहित किया गया था। इसकी जानकारी दंपती को नहीं थी। करंट लगते ही महिला तार से चिपक गई। पति दुर्गा प्रसाद ने डंडे से पत्नी को छुड़ाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली।

इसके बाद वह दौड़कर संबंधित व्यक्ति के घर पहुंचे और घटना की जानकारी दी। संबंधित व्यक्ति ने अपने घर से बिजली का कनेक्शन काटा। ग्रामीणों की मदद से महिला को एसआरएन अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बेटा आदित्य द्विवेदी प्रयागराज में प्राइवेट नौकरी करता है।

करंट से वेल्डिंग मैकेनिक की गई जान, सहकर्मी जख्मी

सोरांव थाना क्षेत्र के उसरही स्थित एक अस्पताल में वेल्डिंग का काम करते वक्त करंट की चपेट में आने से दो लोग झुलस गए। डॉक्टरों ने वेल्डिंग मैकेनिक को मृत घोषित कर दिया जबकि झुलसे दूसरे युवक का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

अतुल विश्वकर्मा (25) पुत्र रामबालक विश्वकर्मा निवासी जगदीशपुर चांधन थाना नवाबगंज अपने सहकर्मी सुनील कुमार निवासी बलकरनपुर थाना सोरांव के साथ सोमवार की सुबह उसरही स्थित एक निजी अस्पताल में वेल्डिंग का काम करने गए थे। सुबह करीब 11 बजे काम करते वक्त कमरे की फर्श में फैले बिजली के तार से पाइप में करंट आ गया।

कूलर बनाते समय करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

थाना क्षेत्र के अयोध्या गांव में सोमवार शाम घर में कूलर बनाते समय एक युवक बिजली

इससे दो लोग झुलस गए। फौरन उन्हें फाफामऊ के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने अतुल को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद वहां मौजूद लोग मृतक का शव लेकर दोबारा उसरही स्थित अस्पताल पहुंचे। जानकारी मिलते ही सोरांव पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक पांच भाइयों और पांच बहनों में तीसरे नंबर पर था। मां कमला विश्वकर्मा, पिता रामबालक, पत्नी अंजू देवी का रो– रोकर हाल बेहाल था।

करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। रामकिशोर निषाद (23) पुत्र राम सजीवन निवासी अयोध्या घर पर कूलर को सही कर रहा था। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आकर झुलस गया। परिजनों ने उसे सीएचसी कोरांव पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक घर का इकलौता बेटा था। सात बहनों में छह की शादी हो चुकी है। पजिरन सुनील कुमार ने बताया कि घर में कूलर बनाते समय करंट की चपेट में आने से राम किशोर की मौत हुई है।

चंदा मांगने के विवाद में युवक पर चाकू से हमला

प्रयागराज। उतरांव क्षेत्र के मोहम्मदाबाद गांव में ट्रांसफार्मर खराब होने के बाद सोमवार को चंदा मांगने के विवाद में एक युवक पर गांव के ही एक युवक ने चाकू से गर्दन पर हमला कर दिया। इस दौरान वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक के पिता शंकर लाल ने थाना उतरांव में आरोपी और उसके पिता के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। मोहम्मदाबाद गांव निवासी अजीत पटेल पुत्र शंकर लाल गांव में खराब ट्रांसफार्मर की मरम्मत के लिए चंदा एकत्र कर रहा था। इसी बात पर अजीत का रितेश कुमार पुत्र रामानंद, दोनों से विवाद हो गया। पीड़ित का आरोप है कि इसी बीच रितेश ने चाकू निकालकर अजीत की गर्दन पर हमला कर दिया। इस दौरान आरोपियों ने गालीगलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। घायल अवस्था में अजीत पिता के साथ उतरांव थाने पहुंचा जहां पुलिस ने उसे इलाज के लिए सीएससी सैदाबाद भेज दिया। चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। थाना प्रभारी उतरांव विनय कुमार सिंह ने बताया कि घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। आरोपी पिता, पुत्र के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

महिला को धक्का मारकर नकदी और जेवर चुराए

प्रयागराज। क्षेत्र के गमरहटा गांव में रविवार की रात एक घर में घुसे चोर ने महिला को धक्का मारकर लाखों रुपये की चोरी को अंजाम दिया। चोर घर से सोने–चांदी के जेवर और एक लाख रुपये नकदी लेकर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया।

गमरहटा निवासी संजू देवी प्रजापति ने बताया कि उनके पति अजय कुमार मुंबई में रहकर मजदूरी करते हैं। वह अपनी छोटी बच्ची और ससुर शिव कुमार के साथ घर पर रहती हैं। रविवार रात खाना खाने के बाद ससुर घर के बाहर सोने चले गए। संजू देवी बच्ची के साथ आंगन में सो गईं। देर रात घर के अंदर से आहट सुनकर उनकी नींद खुली तो देखा कि कमरे में एक व्यक्ति खड़ा था। शोर मचाने पर चोर धक्का मारते हुए अंधेरे में भाग गया। कमरे में जाकर देखा तो संदूक और अलमारी के ताले टूटे थे और सामान बिखरा पड़ा था। चोर सोने–चांदी के जेवर समेत अलमारी में रखे एक लाख रुपये नकदी चोरी कर ले गया। सूचना पर मऊआइमा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच–पड़ताल शुरू की। पीड़िता ने सोमवार को थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी है। इंस्पेक्टर मऊआइमा राम मूर्ति यादव ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर चोरों की तलाश की जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

घर से 200 मीटर दूर फंदे से लटका मिला किसान का शव

प्रयागराज। गोसौरा कला में संदिग्ध हालात में एक किसान का सोमवार सुबह फंदे से लटका शव मिला। शव घर से 200 मीटर दूर दूसरे के घर के बरामदे में मिला। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मेजा थाना क्षेत्र के गोसौरा कला का अवधेश पटेल (50) दो साल पहले तक एक ईंट–भट्ठे पर मुंशी का काम करते थे। उसके बाद से वह घर पर खेती करने लगे। पत्नी गीता देवी ने बताया कि रविवार रात नौ बजे वह खाना खाकर सड़क पर टहल रहे थे। अचानक वह लापता हो गए। खोजबीन की गई, लेकिन उनका पता नहीं चला। सुबह जानकारी हुई कि उनका शव घर से 200 मीटर दूर रामराज गुप्ता के नए मकान के बरामदे में फंदे से लटक रहा है। ग्रामीण रामराज गुप्ता नया मकान बनाकर वहां पर किराने का दुकान चलाते हैं। दिन में दुकान चलाते हैं और रात में अपने मूल घर चले आते हैं। मेजा इंस्पेक्टर नितेंद्र शुक्ला ने बताया कि फंदे से किसान अवधेश पटेल का शव लटक रहा था। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का है।

गीता देवी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि हत्या कर साक्ष्य मिटाने के लिए शव को फंदे से लटका दिया गया है। आरोप है कि क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले ने अवधेश पटेल को साल भर पहले शराब पिलाकर उसकी दो बिस्वा जमीन अपने नाम करा ली थी। उसका पैसा मांगने पर जान से मारने की धमकी देते थे। सोमवार को पिता की मौत की सूचना पर कौंधियारा के बारी बजहिया ससुराल से आई इकलौती बेटी ज्योति पटेल ने कहा कि कई बार आरोपी ने पिता को जान से मारने की धमकी दी थी। एसीपी मेजा बृजेश पाठक ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मौत की वजह स्पष्ट हो पाएगी।

लिपिक पर दो साल तक दुष्कर्म करने का आरोप, प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने बिजली विभाग में लिपिक के पद पर मुंबई में तैनात युवक पर शादी का झांसा देकर दो साल तक दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए भेज दिया है। पीड़िता के मुताबिक, दूसरे गांव का रहने वाला आरोपी रमेश नौकरी लगने से पहले उससे फोन पर बात करता था। रिश्तेदारी में गांव आने पर आरोपी ने कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। शादी की बात करने पर वह टालमटोल करता रहा। हाल ही में मुंबई बिजली विभाग में लिपिक के पद पर नौकरी लगने के बाद आरोपी ने शादी से साफ इन्कार कर दिया। एसीपी के आदेश पर पुलिस ने लिपिक रमेश के खिलाफ दुष्कर्म और उसके दो परिजनों के खिलाफ मारपीट व धमकी की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। इंस्पेक्टर मऊआइमा राम मूर्ति यादव ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

आरोपी के खिलाफ कार्रवाई न होने पर परिजनों ने दिया धरना

प्रयागराज। सोमवार शाम को पोस्टमार्टम के बाद ग्रामीण का शव उसके पैतृक घर भसुंदर खुर्द लाया गया तो कोहराम मच गया। परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े थे। आक्रोशित लोगों ने पुलिस–प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान आक्रोशित लोगों ने आरोपी का एनकाउंटर करने के साथ ही मदरहा में ग्रामसभा की छह बिश्वा जमीन का पट्टा दिए जाने की मांग की। कहा कि जब तक मांग पूरी नहीं की जाती है तब तक शव का अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा।

प्रदेश के इन 63 जिलों में आज भारी बारिश की चेतावनी, 60 शहरों में वज्रपात की आशंका

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी में मानसून पूरी तरह से सक्रिय है। उत्तर प्रदेश में सोमवार को प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी दोनों संभागों में मूसलाधार बारिश देखने को मिली। खासकर बरेली, लखीमपुर खीरी, रामपुर, शाहजहांपुर जैसे जिलों में अच्छी वर्षा दर्ज की गई। लगातार बारिश से प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तापमान में उल्लेखनीय गिरावट आई, जिससे लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली।

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने मंगलवार के लिए प्रदेश के 18 जिले में अतिभारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं 45 अन्य जिलों में बारिश का येलो अलर्ट है। कुल मिलाकर ऐसे 63 जिले हैं जहां बारिश या अति बारिश हो सकती है। साथ ही लगभग 60 जिलों में गरज चमक और वज्रपात की भी चेतावनी है।

सोमवार को तराई के कई जिलों में जोरदार बारिश हुई। बरेली में सर्वाधिक 174 मिमी वर्षा दर्ज की गई। इसके बाद लखीमपुर खीरी में 160 मिमी, रामपुर में 152 मिमी और शाहजहांपुर में 150.3 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। प्रदेश के कई अन्य जिलों में भी हल्की से मध्यम बारिश हुई।

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अगले दो दिनों तक प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। कुछ स्थानों पर तेज बारिश के साथ गरज–चमक और वज्रपात की भी स्थिति बन सकती है।

उत्तर प्रदेश में जुलाई के दौरान मानसूनी बारिश ने कमी पूरी कर ली है। 20 जुलाई तक प्रदेश में 160.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जबकि इस अवधि का सामान्य आंकड़ा 170.3 मिमी है। यानी अब तक केवल छह प्रतिशत कम बारिश हुई है, जो मौसम विभाग के अनुसार सामान्य श्रेणी में आता है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश में मानसून की स्थिति फिलहाल सामान्य बनी हुई है।

बांदा, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी व आस के क्षेत्र।

चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, गाजीपुर, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, कानपुर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायू ललितपुर व आस पास के क्षेत्र।

बरसती रहती बारिश

(कुण्डलिया)

बारिश में गलियाँ हुईं,कीचड़ में तब्दील।
अस्त व्यस्त जीवन हुआ,किससे करूँ अपील।
किससे करूँ अपील,सड़क का हाल बुरा है।
मुखिया की मुस्कान,बताती हरा–भरा है।
सुन लो कहें प्रदीप, प्रकृति की है यह साज़िश।
बिना किए आराम, बरसती रहती बारिश।।

अरमानों की बलि चढ़ा, घायल हैं जज़्बात।
पानी ही पानी दिखा, गायब हुआ प्रभात।
गायब हुआ प्रभात, हुआ अब जीना दूभर।
गली–मुहल्ले खेत, सभी पानी के अन्दर।
वर्षा देख प्रदीप, कहें बस परवानों की।
रहना ऋतु के साथ, बातकर अरमानों की।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

भयहरण नाथ धाम मार्ग पर जानलेवा गड्ढा, बड़ी दुर्घटना की आशंका

डीएम सहित आला अधिकारियों से तत्काल मरम्मत एवं बैरिकेडिंग की मांग

प्रतापगढ़। जनपद के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल भयहरण नाथ धाम के सामने प्रयागराज मार्ग की ओर, बकुलाही नदी के किनारे जाने वाले मार्ग पर पुल के पास सड़क में एक बहुत बड़ा और

गहरा गड्ढा हो गया है। भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि दिनांक 21.07.2026 को ली गई फोटो के अनुसार बरसात के कारण यह गड्ढा और अधिक खतरनाक हो गया है। प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए इसी मार्ग से आते–जाते हैं। दुपहिया एवं चार पहिया वाहन चालकों के लिए यह मार्ग जानलेवा बन चुका है। किसी भी समय कोई बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है।

इस गंभीर समस्या को देखते हुए आज संस्थान द्वारा उप जिलाधिकारी सदर को प्रार्थना पत्र देकर नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह को तत्काल गड्ढा भरवाने/मरम्मत कराने एवं दुर्घटना से बचाव हेतु बैरिकेडिंग कराने के निर्देश देने की मांग की गई है। इस पत्र की प्रतिलिपि जिलाधिकारी महोदय, पुलिस अधीक्षक महोदय, क्षेत्राधिकारी सदर, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह एवं कार्यालय प्रभारी भयहरण नाथ धाम को भी सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की गई है।

श्री शेखर ने प्रशासन से मांग की है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए 24 घंटे के अंदर इस मार्ग की मरम्मत कराई जाए।

यूपी की छात्राओं को योगी सरकार का बड़ा तोहफा

50 हजार मेधावी लड़कियों को मिलेगी फ्री स्कूटी, कैबिनेट बैठक में लगी मुहर

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना के प्रस्ताव को मंत्रिमंडल ने मंगलवार को मंजूरी दे दी, जिसके तहत राज्य में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही मेधावी स्नातक छात्राओं को मुफ्त स्कूटी दी जाएगी। जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक के बाद लोक भवन के सभागार में राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने पत्रकारों को बताया कि इस योजना में इस वर्ष करीब 50 हजार छात्राएं लाभान्वित होंगी। उपाध्याय ने बताया कि विभाग ने महिला सशक्तिकरण के लिए लड़कियों को उच्च शिक्षा में प्रोत्साहन देने के लिए स्कूटी देने के वास्ते रानी लक्ष्मीबाई योजना के तहत आए प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। मंत्री के अनुसार, रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना के तहत सभी प्रकार के राज्य विश्वविद्यालय, निजी विश्वविद्यालय, राज्य विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सभी सरकारी महाविद्यालय, अनुदान प्राप्त महाविद्यालय व स्व वित्त पोषित महाविद्यालयों को इस परिधि में शामिल किया गया है। इसमें उच्च संस्थानों के शैक्षणिक सत्र 2025–26 में उत्तीर्ण समस्त स्नातक छात्राओं में से जो शीर्ष 5 प्रतिशत में शामिल होंगी, उन्हें लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ उन्हें मिलेगा जिनके परिवार की आय सीमा 12 लाख वार्षिक से कम होगी। साथ ही छात्राओं को ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना अनिवार्य होगा। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसमें यह भी व्यवस्था की है कि दिव्यांगजन, निराश्रित परिवार और शहीद

परिवार की बच्चियों को भी मुफ्त स्कूटी दी जाएगी और उनके लिए मेरिट की कोई बाध्यता नहीं होगी। एक सवाल के जवाब में मंत्री ने बताया कि स्कूटी की खरीद चयन प्रक्रिया के तहत की जाएगी, जिसके लिए पोर्टल पर प्रस्ताव आमंत्रित किये जाएंगे, जिनका अवलोकन मंत्रिमंडल करेगा। इस योजना का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को परिवहन संबंधी समस्याओं से राहत देकर उच्च शिक्षा जारी रखने के लिए प्रेरित करना है। इस पहल का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना, उच्च शिक्षा में छात्राओं की भागीदारी बढ़ाना तथा सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराना है।

फर्टिलाइजर कंपनियों की मनमानी के विरोध में प्रदेश के विभिन्न जिलों के खाद व्यापारी राजधानी लखनऊ में हुए एकजुट

खुदरा खाद व्यापारियों का व्यापारी सम्मेलन राजधानी में हुआ आयोजित

लखनऊ (संवाददाता)। मंगलवार को खुदरा कृषि व्यापारी वेलफेयर एसोसिएशन संबद्ध उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के तत्वाधान में राजधानी के निराला नगर स्थित उ सी गेस्ट हाउस में खुदरा खाद व्यापारी सम्मेलन का आयोजन हुआ। खुदरा खाद व्यापारी सम्मेलन में विभिन्न जिलों के खाद व्यापारी शामिल हुए तथा अपने उत्पीड़न के खिलाफ एकजुट होते हुए खाद व्यापारियों ने अपनी आवाज बुलंद की तथा हुंकार भरी व्यापारी सम्मेलन में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश संजय गुप्ता ने कहा खाद व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल से कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष करेगा तथा सहयोग करेगा तथा किसी भी स्तर पर उनका उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रदेश के खाद व्यापारियों ने अपनी आवाज उठाते हुए सम्मेलन में कहा प्रदेश में फर्टिलाइजर कंपनियों द्वारा सरकार के नियमों की अनदेखी करते हुए मनमाने तरीके से व्यापार किए जाने के कारण खुदरा कृषि (खाद) व्यापारी गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। कंपनियों की कार्यप्रणाली से रिटेल खाद व्यापारियों को घाटे में किसानों को खाद उपलब्ध कराने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष आर.के. कन्नौजिया एवं प्रदेश महासचिव अमित गुप्ता ने बताया कि फर्टिलाइजर कंपनियां सरकार से भारी सब्सिडी प्राप्त करने के बावजूद सरकार के निर्धारित नियमों का पालन नहीं कर रही हैं। सरकार के नियमों के अनुसार कंपनियों को ध250 प्रति बोरी यूरिया के हिसाब से रिटेल कृषि व्यापारियों के प्रतिष्ठान तक खाद पहुंचानी होती है, लेकिन अधिकांश कंपनियां दुकानों तक आपूर्ति करने के बजाय व्यापारियों को रेलहेड एवं गोदामों से स्वयं खाद उठाने के लिए बाध्य करती हैं। उन्होंने बताया कि इससे व्यापारियों को लोडिंग–अनलोडिंग, परिवहन, जीएसटी, दुकान का किराया, बिजली, कर्मचारियों का वेतन तथा बैंक ब्याज सहित अनेक अतिरिक्त खर्च वहन करने पड़ते हैं, जिससे प्रति बोरी लगभग ध15 से ध20 की अतिरिक्त लागत आती है।

यूपीएसएसएससी अभ्यर्थियों ने डिप्टी सीएम का आवास घेरा, ग्राम पंचायत अधिकारी के रिजल्ट का इंतजार

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में मंगलवार को सुबह 9 बजे ग्राम पंचायत अधिकारी भर्ती (2022) के अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। विभिन्न जिलों से आए अभ्यर्थियों ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास का मानव श्रृंखला बनाकर घेराव किया। अभ्यर्थियों ने 2022 में आई वैकेंसी के फाइनल रिजल्ट का इंतजार कर रहे हैं। उनका कहना है कि सारी प्रक्रिया पूरी है तो रिजल्ट में देरी क्यों की जा रही है। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थी राघवेंद्र सिंह ने बताया कि 2022 के विज्ञापन के लिए 2023 में आवेदन लिए गए। लिखित परीक्षा, अभिलेख सत्यापन सहित सभी प्रक्रिया पूरी कर ली गई, लेकिन फाइनल परिणाम जारी नहीं किए गए। प्रदेशभर से आए अभ्यर्थियों ने डिप्टी सीएम के माध्यम से आयोग से शीघ्र परिणाम जारी किए जाने की मांग की। अभ्यर्थी राघवेंद्र सिंह ने बताया कि पीईटी के जरिये 2022 में वैकेंसी आई थी। ग्राम पंचायत अधिकारी के 1468 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया 2023 में शुरू हुई थी। हजारों अभ्यर्थियों ने भर्ती में आवेदन किया। 27 अप्रैल 2025 को लिखित परीक्षा भी आयोजित हो चुकी है। पात्र अभ्यर्थियों के अभिलेख सत्यापन की प्रक्रिया अप्रैल–मई तक पूरी कर ली गई थी। फिर भी अब तक फाइनल परिणाम जारी नहीं किए गए हैं। परिणाम में हो रही देरी की वजह से अभ्यर्थियों में नाराजगी है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास के बाद अभ्यर्थी पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर के आवास पहुंच गए। पुलिस ने बात करके यहां से सबको वापस कर दिया। अभ्यर्थियों का कहना है कि उनके सामने रोजगार का संकट और जीवनयापन करने की चुनौतियां हैं। अगर समय पर भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली जाती तो आज वे लोग अपने परिवार का सहारा होते।

उत्तर मध्य रेलवे

संख्या: 797-ई/पेंशन/निकस/उमरे — दिनांक: 17.07.2026

अधिसूचना

मुख्यालय, उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा रेलवे पेंशनरों के UMID (Unique Medical Identity Card) कार्ड बनवाने हेतु कैंप का आयोजन

रेलवे बोर्ड के निर्देशों के अनुपालन में रेलवे पेंशनरों एवं उनके पात्र पारिवारिक सदस्यों को चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यालय से सेवानिवृत्त रेलवे पेंशनरों एवं उनके पात्र पारिवारिक सदस्यों के लिए UMID (Unique Medical Identity Card) कार्ड बनवाने हेतु उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय, सूबेदारगंज में कैंप का आयोजन किया जाना है।

इसी क्रम में, रेलवे पेंशनर एसोसिएशन एवं संबंधित विभागों के समन्वय से 1 जुलाई से 28 अगस्त, 2026 तक हेतु उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय, सूबेदारगंज के कार्मिक विभाग के समापन अनुभाग में मुख्यालय से सेवानिवृत्त रेलवे पेंशनरों एवं उनके पात्र पारिवारिक सदस्यों के लिए UMID कार्ड पंजीकरण एवं निर्माण हेतु कैंप का आयोजन सुनिश्चित किया गया है।

उक्त कैंप का प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें तथा अधिक से अधिक पात्र रेलवे पेंशनरों एवं उनके पारिवारिक सदस्यों को UMID कार्ड बनवाने हेतु कैंप में सहभागिता के लिए प्रोत्साहित करें, जिससे सभी पात्र लाभार्थियों को UMID कार्ड उपलब्ध कराया जा सके।

(जितेन्द्र सिंह)
सहायक कार्मिक अधिकारी/मुख्यालय
कृते महाप्रबंधक (का.), उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज

1665/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: EPC-2026-27-02 — दिनांक: 09.07.2026

ई-टेण्डर सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य (इंजी.)/निर्माण/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिए ई निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 12.10.2026 के समय 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदाओं का विवरण इस प्रकार है।

निविदा सूचना सं. EPC-2026-27-02	अनुमानित मूल्य (रु.) : Rs. 1262.93 Cr. (approx.)
कार्य का विवरण : नॉर्थ सेंट्रल रेलवे के मानिकपुर-इरादतगंज तीसरी लाइन प्रोजेक्ट के तहत, मानिकपुर (इसे छोड़कर) से इरादतगंज (इसे शामिल करते हुए) (CH 1257.180 से CH 1340.820) तक तीसरी लाइन ट्रैक के लिए इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (EPC) एग्रीमेंट (शेड्यूल G-1 के साथ)। इसमें इलेक्ट्रिफिकेशन और सिग्नलिंग के काम के साथ-साथ LC No. 404/C2, 406/2T, 407/2E और 418C/2E पर ROB और LC नंबर 426 पर RUB का निर्माण भी शामिल है।	
बोली प्रतिभूति (रु.) : Rs 25,25,85,800/-	कार्य समापन की अवधि : 24 माह
निविदा बंद करने की तिथि और समय : 12.10.2026 15:00 बजे	
निविदा खुलने की तिथि : 12.10.2026 15:30 बजे	
निविदा का प्रकार : ओपेन टेण्डर (दो पैकेट प्रणाली)	

नोट : 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15:00 बजे तक निविदा भरने की तिथि दिनांक 12.10.2026 तक उपलब्ध है। 2. उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको IT Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. बोली प्रतिभूति या तो ई-भुगतान गेटवे के माध्यम से नकद में जमा की जाएगी या भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में प्रस्तुत की जाएगी या जैसा कि निविदा दस्तावेजों में उल्लेख किया गया है। बैंक गारंटी बांड निविदा दस्तावेज में दिये गये अनुलग्नक के अनुसार होगा और बोली (बिड) वैधता अवधि से परे 30 दिनों की अवधि के लिए वैध होगा। 4. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 5. निविदा की राशि 10 करोड़ से अधिक होने पर संयुक्त उद्यम (जे.वी.)/Consortiums/MOUs पर विचार किया जायेगा। 6. संलग्न किये जाने सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 7. सभी निविदाओं हेतु निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर एक प्रमाण-पत्र, जैसा निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। 8. निविदा दस्तावेज में उल्लिखित योग्यता/मानदण्डों को पूरा करने के दावे के समर्थन में अपलोड किये गये दस्तावेजों/प्रमाण-पत्रों की प्रतिलिपियों पृष्ठ को टेण्डरर फर्म के निविदाकार या अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्वयं प्रमाणित/डिजिटल हस्ताक्षरित किया जायेगा। स्वयं प्रमाणन में हस्ताक्षर, मोहर और तारीख (प्रत्येक पृष्ठ पर) अंकित होनी चाहिये। केवल वे दस्तावेज जिन्हें निविदाकार द्वारा स्पष्ट रूप से घोषित किया गया है कि निर्धारित पात्रता मानदण्डों की अर्हता प्राप्त करने के दावे का समर्थन करने वाले दस्तावेज को ही उनकी निविदा का मूल्यांकन करने के लिये विचार किया जायेगा। निविदाकार द्वारा दी गयी किसी भी गलत जानकारी के मामले में अनुबन्ध समाप्त कर दिया जायेगा एवं बोली प्रतिभूति, परफारमेंस गारण्टी और सिक्योरिटी डिपाजिट जब्त कर ली जायेगी और भारतीय रेलवे में एजेंसी पर 2 (दो) वर्ष तक कोई भी व्यवसाय करने पर प्रतिबन्ध लगा दिया जायेगा। 9. सरकारी अधिकारियों द्वारा समय-समय पर जारी जी.एस.टी. अधिनियम और सरकार/सम्बन्धित प्राधिकरण द्वारा समय समय पर जारी किये गये नियम लागू होंगे। 10. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 11. निविदा आनलाइन दिनांक 12.10.2026 को समय 15:00 बजे तक सबमिट किया जा सकता है तथा निविदा 15:30 बजे उसी दिन खोली जायेगी। 1661/26 (C)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

विज्ञान नगरी में टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत निःशुल्क जाँच शिविर आज

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के अलीगंज स्थित आंचलिक विज्ञान नगरी में दिनाँक 22 जुलाई को एक वृहद जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सभी आम नागरिकों को आमंत्रित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन प्रातः 11.00बजे से 1:30 तक किया जा रहा है। क्षेत्रीय स्वास्थ्य परिवार कल्याण तथा आंचलिक विज्ञान नगरी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर में मधुमेह (डायबिटीज) जांच, एनीमिया जांच, रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) जांच, बॉडी मास इंडेक्स का मूल्यांकन, छाती का एक्स–रे तथा थूक का परीक्षण जैसी चिकित्सा जांच निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। इन जांचों के माध्यम से क्षय रोग (टीबी) एवं अन्य सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं की समय रहते पहचान संभव होगी, जिससे शीघ्र उपचार सुनिश्चित किया जा सकेगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत सरकार के टीबी मुक्त भारत के संकल्प को सशक्त बनाना तथा लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। शिविर के दौरान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञ उपस्थित नागरिकों को क्षय रोग के लक्षणों, बचाव, उपचार तथा समय पर जांच के महत्व के बारे में भी जागरूक करेंगे। आंचलिक विज्ञान नगरी, लखनऊ के शिक्षा अधिकारी राम कुमार ने आमजन से अपील की है कि इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाएं। विज्ञान नगरी, लखनऊ जन–जागरूकता, सामुदायिक कल्याण तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियानों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ करता है। अधिक जानकारी के लिए एवं किसी भी शिक्षा अधिकारियों से निम्न फोन पर जानकारी प्राप्त कर सकते है– 8527358876, 9450140533, 94506409701 इस दिन स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने वालो के लिये विज्ञान नगरी में प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

राज्यपाल बदलते ही जौहर विवि को मिला अल्पसंख्यक दर्जा, दो बार अटके विधेयक को अजीज कुरैशी ने दी मंजूरी

लखनऊ (संवाददाता)। सपा के कद्दावर नेता आजम खां की तरह जौहर यूनिवर्सिटी भी किसी न किसी रूप में बार सुर्खियों में रहा।

इस विधेयक को न तत्कालीन राज्यपाल टीवी राजेश्वर के कार्यकाल में मंजूरी

जौहर विवि को अल्पसंख्यक का दर्जा मिलने की कहानी

- दो राज्यपालों के दौर में लंबित रहे विधेयक को अजीज कुरैशी ने साल 2014 में दी थी मंजूरी
- तब उत्तराखंड के राज्यपाल को यूपी का मिला था अतिरिक्त प्रभार
- सपा शासन में सबसे ताकतवर मंत्री रहते आजम खां ने यूनिवर्सिटी की बुनियाद डाली

शुरुआत से चर्चाओं में रही है। सपा शासन में सबसे ताकतवर कबीना मंत्री रहते आजम खां ने जब यूनिवर्सिटी की बुनियाद डाली तब हुए समारोह में तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव समेत यूपी के 30 से ज्यादा मंत्रियों की रामपुर में मौजूदगी बड़ी चर्चा बनी थी तो यूनिवर्सिटी को अल्पसंख्यक दर्जा मिलने का सफर भी कई मिली और न ही उनके बाद महामहिम का आसन संभालने वाले बीएल जोशी के समय में। सात साल इंतजार के बाद इस विधेयक को मंजूरी मिली साल 2014 में, जब उत्तराखंड के राज्यपाल अजीज कुरैशी के पास यूपी के गवर्नर का अतिरिक्त प्रभार था।

जौहर यूनिवर्सिटी की स्थापना वर्ष 2006 में हुई थी। इसके बाद वर्ष 2007 में यूनिवर्सिटी को अल्पसंख्यक विश्वविद्यालय का दर्जा देने संबंधी विधेयक विधानसभा और विधान परिषद से पारित होकर राज्यपाल के पास भेजा गया। तत्कालीन राज्यपाल टीवी राजेश्वर और बाद में गवर्नर रहे बीएल जोशी ने इसे मंजूरी नहीं दी।

इस तरह यह मामला सात साल राज्यपाल स्तर पर लंबित रहा। कुछ समय बाद परिस्थितियां बदलीं। तत्कालीन राज्यपाल बी.एल. जोशी ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया। इसके बाद वर्ष 2014 में उत्तराखंड के राज्यपाल अजीज कुरैशी को उत्तर प्रदेश के गवर्नर का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने सात वर्ष से लंबित इस विधेयक को मंजूरी दे दी।

इसके बाद जौहर यूनिवर्सिटी को अल्पसंख्यक विश्वविद्यालय का दर्जा मिल गया। यूनिवर्सिटी को अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान का दर्जा देने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की अनुमति को आधार बनाया गया था जो वर्ष 2012 में मिली थी।

रामपुर के भाजपा नेता एवं लंबे समय तक आजम खां के मीडिया प्रभारी रह चुके फसाहत अली खां ने स्वीकार किया कि जौहर यूनिवर्सिटी की स्थापना के बाद से अल्पसंख्यक विश्वविद्यालय का दर्जा मिलने तक में काफी समय लगा था। इसके लिए शिक्षा प्रेमियों ने लंबा संघर्ष किया था। वर्ष 2014 में जब उत्तराखंड के गवर्नर रहे अजीज कुरैशी के पास यूपी के राज्यपाल का भी प्रभार था, तब इस विश्वविद्यालय को अल्पसंख्यक विश्वविद्यालय का दर्जा मिला था। वर्ष 2014 में कार्यवाहक राज्यपाल अजीज कुरैशी द्वारा विधेयक को मंजूरी दिए जाने के बाद भाजपा ने इसका विरोध किया था।

सम्पादकीय.....

मानसून सत्र से पहले सत्ता का मौसम खराब

सोमवार से शुरु हो रहे संसद के मानसून सत्र में सियासत की गरज और चमक देखने मिलेगी, इतना तो तय था लेकिन सत्र शुरु होने से पहले सरकार के खिलाफ जनता की नाराजगी फूट पड़ेगी, इसका अनुमान मोदी सरकार को भी नहीं रहा होगा। पिछले चार हफ्तों से जंतर–मंतर पर धरना कर रही कॉकरोच जनता पार्टी ने ये ऐलान किया था कि 20 जुलाई को जंतर–मंतर से संसद मार्च किया जाएगा। इस ऐलान में विपक्ष के कई दलों की भी सहमति थी। लेकिन इस बीच शुक्रवार और शनिवार को दो बड़ी घटनाएं हुईं। एक तो देहरादून में राहुल गांधी ने 17 जुलाई शुक्रवार को छात्रों की गूंज रैली की, जिसमें कम से कम दो लाख छात्र शामिल हुए। जबकि इस रैली की जगह पहले सरकार ने बदली, फिर रास्ते के पेड़ काटे ताकि लोगों को आने में परेशानी हो और साथ ही एक लोकगायिका का कार्यक्रम रखवा दिया, जिसमें मुफ्त प्रवेश दिया गया। लेकिन इसके बावजूद युवाओं ने मनोरंजन की जगह अपने भविष्य की चिंता करते हुए राहुल गांधी के कार्यक्रम में शिरकत की। यहां भाजपा को बड़ा झटका लगा। इधर शनिवार को मोदी सरकार के कहने पर जंतर–मंतर से 21 दिनों से अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक को जबरन उठा कर ले जाया गया। वहां जिस दबे–छिपे तरीके से इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया, उससे जाहिर हो गया कि सरकार आंदोलनकारियों को डराना–धमकाना चाहती है। असल में पहले मोदी सरकार ने इस प्रदर्शन को हल्के में लिया था, मुमकिन है उसे लगा हो कि थोड़े बहुत नारे लगाने और भाषण देने के बाद मंच खाली हो जाएगा। हालांकि सरकार के कहने पर दिल्ली पुलिस ने कभी पानी, कभी बिजली रोककर तो कभी तिरपाल लगाने में रुकावट डाल कर आंदोलनकारियों को परेशान किया, प्रदर्शनकारी फिर भी डटे रहे और विपक्ष के नेताओं का जंतर–मंतर पर आने का सिलसिला तेज हुआ तो सरकार के कान खड़े हुए। शुक्रवार को अचानक दिल्ली पुलिस कमिश्नर का तबादला किया गया। शुक्रवार सुबह दिल्ली पुलिस कमिश्नर सतीश गोलछा जब वन महोत्सव कार्यक्रम में थे, तब उन्हें अपने तबादले और नए कमिश्नर के आने की जानकारी मिली। यहां तक कि हेडक्वार्टर को भी इसकी जानकारी नहीं थी, जो काफी अजीब बात है। सुप्रीम कोर्ट के श्प्रकाश सिंह जजमेंट्य और राज्य पुलिस अधिनियमों (जैसे राजस्थान पुलिस अधिनियम, आदि) के अनुसार, एक पुलिस कमिश्नर का न्यूनतम कार्यकाल 2 साल निर्धारित किया गया है। इस हिसाब से देखें तो सतीश गोलछा पिछले साल ही दिल्ली पुलिस कमिश्नर बने थे, तो उन्हें अभी एक साल और इस पद पर रहना था। लेकिन उन्हें बदलने का आदेश अचानक आया। आईबी के पूर्व स्पेशल डायरेक्टर रहे 1994 बैच के अधिकारी अनुराग कुमार ने शुक्रवार को पद संभाला और शनिवार सुबह जंतर–मंतर से सोनम वांगचुक उठा कर अस्पताल पहुंचा दिए गए। रविवार को उनकी पत्नी गीतांजलि की याचिका पर अदालत ने सुनवाई की कि उन्हें सफदरजंग की जगह गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती किया जाए। लेकिन इसकी अनुमति नहीं दी गई। दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस मिनी पुष्करणा की एकल बेंच ने मामले की विशेष सुनवाई करते हुए कहा कि श्हर जिंदगी कीमती है।य इससे पहले दिल्ली पुलिस का तर्क भी यही था कि सोनम वांगचुक की हालत खराब थी। लेकिन मामला इतना सीधा नहीं लगता। इसी मोदी सरकार में 2018 में प्रो.जी डी अग्रवाल ने भी गंगा नदी बचाने के लिए 111 दिनों के अनशन के बाद दम तोड़ दिया था। लेकिन तब मोदी सरकार ने उन्हें बचाने की कोई कोशिश नहीं की और न ही उनकी मांगों पर ध्यान दिया। खास बात यह है कि 2010 में भी प्रो. अग्रवाल ने 38 दिनों का अनशन किया था, तब यूपीए सरकार ने उनकी मांग भी मानी और अनशन खत्म करवाया था। उसके बाद 2011 में अन्ना हजारे के अनशन को भी यूपीए सरकार ने खत्म करवाया। अभी सोनम वांगचुक के लिए कांग्रेस नेता पवन खेड़ा सोनिया गांधी के कहने पर ही जंतर–मंतर गए। क्योंकि सोनिया ने याद दिलाया कि 1984 में अपनी मौत से कुछ महीने पहले सोनम वांगचुक के पिता सोनम वांग्याल का अनशन खत्म करवाया था। लेकिन मोदी सरकार का रवैया अनशन खत्म करवाने की जगह अपना जोर दिखाने का है। इसलिए आंदोलन के बीच ही पुलिस कमिश्नर बदल गए और आंदोलनकारियों के हौसले पस्त करने की कोशिश की। मगर यहां बाजी उल्टी पड़ गई, शनिवार को जंतर–मंतर पर सरकार के अनुमान से कहीं ज्यादा लोग पहुंचे, ये सिलसिला रविवार को भी जारी रहा। जिस तरह के नारे यहां लगे, पोस्टर लहराए गए, उनसे जाहिर हो गया कि अब धर्मेन्द्र प्रधान से ज्यादा नरेन्द्र मोदी के लिए नाराजगी कायम हुई है। दरअसल सत्ता के बारह सालों में नरेन्द्र मोदी ने कई बार जनभावनाओं को कुचलने का काम किया है और ऐसे फैसले लिए हैं जिनमें लोगों की जान दांव पर लगी। नोटबंदी, जीएसटी, कोरोना लॉकडाउन जैसे फैसले देशहित के नाम पर लिए गए और इनमें लोगों को जानलेवा नुकसान हुआ। वहीं जब अपने हक के लिए आवाज उठाते हुए लोगों ने शाहीन बाग जैसे आंदोलन किए, जब किसान तीन काले कृषि कानूनों के खिलाफ साल भर सड़क पर बैठे रहे, जब महिला पहलवान जंतर–मंतर पर इंसाफ की लड़ाई लड़ने के लिए बैठीं तो मोदी सरकार ने उनके साथ कैसा सलूक किया, ये भी देश ने देखा। किसान आंदोलन को तो सरकार पूरी तरह कुचलने के लिए सारे हथकंडे अपना ही रही थी, लेकिन राकेश टिकैत की आंखों से जब नाइंसाफी के खिलाफ आंसू टपके तो सारा मामला पलट गया।

एक देश एक चुनाव की अवधारणा कितनी जरूरी

सुनील शुक्ल

देश में इस समय कुछ सविध ाान संशोधनों को लेकर चर्चाएं बहुत गरम हैं। सरकार की ओर इन्हें हर हाल में संसद की मुहर लगाने के प्रयास किये जा रहे हैं। इनमें श्एक देश एक चुनावश सम्बन्धी संशोधन विध ोयक प्रमुख है। सरकार ने इस प्रस्ताव पर विचार करने और अपनी अनुशंसा देने के लिए सितम्बर 2023 में पूर्व राष्ट्रपति माननीय रामनाथ कोविद की अध्यक्षता में एक उच्च अधिकार प्राप्त समिति का गठन किया था। समिति से इस सम्बन्ध में विचार करने और अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था। यह पहली बार हुआ कि किसी पूर्व राष्ट्रपति को सरकार के किसी विधायी प्रस्ताव पर विचार करने के लिए किसी समिति का प्रमुख बनाया गया। इस समिति ने विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि ायों, नागरिक समाज सहित अन्य सम्बन्धित पक्षों से विचार विमर्श के बाद सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी। समिति ने एक देश एक चुनाव की अवधारणा को दो चरणों में लागू करने का सुझाव दिया था। पहले चरण में लोक सभा और राज्यों की विधान सभाओं के चुनाव साथ–साथ कराने और दूसरे चरण में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ कराने की अनुशंसा की गई थी।

मोदी सरकार ने सितम्बर 2024 को कोविद समिति की अनुशंसाओं को मंत्रिमण्डल की बैठक में स्वीकार कर लिया। समिति ने चुनाव सम्बन्धी व्यवस्थाओं को लागू करने के लिए 18 संविधान संशोधन के सुझाव दिये हैं। उन्होंने संविधान में 82ए अनुच्छेद शामिल करने का सुझाव दिया जिससे राष्ट्रपति को राज्यों की विधान सभाओं के चुनावों को टालने का अधिकार प्राप्त होगा। सभी चुनाव एक साथ कराने के लक्ष्य को वर्ष 2029 के लोक सभा चुनाव के साथ हासिल करने का प्रस्ताव है। इसके लिये संविधान के अनुच्छेद 83 और 172 में भी संशोधन का प्रस्ताव है। इन संशोध ानों को संसद के दोनों सदनों से अलग–अलग दो तिहाई बहुमत से पारित होना आवश्यक है और साथ में आधे से अधिक राज्यों की विधान सभाओं से भी इन संशोधनों का अनुमोदन कराना होगा। मान.रामनाथ कोविद उच्च अधिकार प्राप्त समिति में चार आधारों पर अपनी संस्तुतियां दी हैं। कोविद समिति ने चुनाव खर्चों में कमी, आदर्श आचार संहिता लागू होने से नीतिगत फैसलों में विलम्ब को रोकने, सरकारी कर्मचारियों की तैनाती और खर्चे में कमी लाने और आर्थिक विकास की गति को बनाये रखने के लिये अपनी संस्तुतियों को आध ाार बनाया है। एक देश एक चुनाव के लिए दिये गये सुझावों के आधारों का सम्यक विश्लेषण जरूरी है। इसके अभाव में इस अवधारणा को समझने में असुविध ाा होगी। एक देश एक चुनाव से देश के आर्थिक विकास को गति मिलेगी यह सबसे चौंकाने वाला तर्क है। चुनाव और देश की आर्थिक तरक्की सम्बन्धी आकड़े इसका समर्थन करते नहीं दिखते हैं। देश में 1952 में हुए पहले चुनावों से लेकर 1967 के आम चुनाव तक लोक सभा और विध ाान सभाओं के चुनाव एक साथ होते रहे हैं। यह सिलसिला कुछ हद तक 1980 के मध्य तक चलता रहा। लोक सभा और विध ाान सभाओं के चुनाव एक साथ कराये जाने की इस अवधि में देश की आर्थिक तरक्की के आंकड़े और बाद के वर्षों में इन चुनावों के अलग–अलग अवधि में हुए चुनावों के दौरान देश की आर्थिक विकास की दर कि तुलना करने पर एक देश एक चुनाव से बेहतर आर्थिक विकास का तर्क समझ से परे है। साथ–साथ हुए चुनावों के दौरान देश के आर्थिक विकास का दर 3.5रू प्रतिवर्ष माना गया था। देश में 8 से 9रू की आर्थिक विकास दर वर्ष 2003 से 2011 के बीच हासिल किया जब लोक सभा और विध ाान सभाओं के चुनाव अलग–अलग समयों पर कराये गये थे। आर्थिक उदारीकरण, विदेशी निवेश में वृद्धि, सूचना प्रौद्योगिकी का विकास, आर्थिक आत्मनिर्भरता और 1991 के आर्थिक सुधार जैसे नीतिगत फैसले उस दौर में किये गये जब लोक सभा और विधान सभाओं के चुनाव साथ–साथ नहीं हो रहे थे। एक देश एक चुनाव के पक्ष में चुनाव खर्च में कमी को भी प्रमुख आध ाार बनाया गया है सवाल यह है कि यह कितना तर्कसंगत है। इसका विश्लेषण करने पर यह तर्क खरा नहीं उतरता है। केन्द्र सरकार चुनावों के आयोजन के लिए अपनी बजट का 1 प्रतिशत धनराशि भी खर्च नहीं करती है। आम तौर पर चुनावों के आयोजन के लिए केन्द्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही धनराशि आम बजट का 0.1प्रतिशत तक पाया गया है। सवाल यह है कि चुनावों में किसका पैसा खर्च होता है और कितना पैसा खर्च होता है और कौन लोग इसको खर्च करते हैं। चुनाव आयोग के आंकड़ों को माने तो चुनाव को खर्चीला राजनीतिक दल और उम्मीदवार बनाते हैं। आंकड़ों में उम्मीदवार खर्च की सीमा से आधा खर्च व्यय करते हुए पाये जाते हैं लेकिन व्यवहारिक पक्ष क्या है? क्या उम्मीदवार और राजनीतिक दल उतनी ही ध ानराशि व्यय करते हैं जितना वह अपने अभिलेखों में दिखाते हैं? वास्तव में व्यवहारिक रूप से खर्च होने वाली धनराशि का कही उल्लेख ही नहीं होता। बहुत सारी धनराशि काला धन के रूप में बेहिसाब तरीके से खर्च होता है जो आम तौर पर उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों के स्तर पर होता है। एक अध ययन के अनुसार 2024 के लोक सभा चुनावों के दौरान एक लाख करोड़ रुपये बिना हिसाब–किताब के खर्च किये गये। यह काला ध ान क्या श्एक देश एक चुनावश की व्यवस्था में खर्च नहीं होगा। इस व्यय को रोकने की प्रभावी व्यवस्था की जा सकेगी। चुनावों को मंहगा करने का आरोप हाल के दिनों में भारतीय जनता पार्टी पर भी लगते रहे हैं। चुनावी अभियान को विशाल और भव्य बनाने का सिलसिला भाजपा ने ही शुरू किया है। काले धन के उपयोग को रोकने के लिये चुनाव व्यवस्था में सुधार की जरूरत है और इसके लिये एक देश और एक चुनाव की अवधारणा का पालन आवश्यक नहीं है वरन इसके लिये कठोर कदम उठाने होंगे। चुनाव सुधार अपने आप में एक व्यापक विषय है और इसे एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था से हासिल नहीं किया जा सकता है। लोक सभा और राज्यों की विधान सभाओं के चुनाव अलग–अलग समयों पर कराने से नीतिगत फैसलों में सरकार के स्तर पर विलम्ब होता है और उन्हें लागू करने में अनावश्यक देरी होने का भी तर्क दिया जा रहा है। कहा जा रहा है कि चुनाव के कारण आदर्श आचार संहिता लम्बे समय तक लागू रहती है जिससे नीतिगत फैसलों में विलम्ब होता है। एक अनुमान के अनुसार प्रत्येक चुनाव में 45 से 60 दिनों तक सरकार के नीतिगत फैसलों की घोषणा रुकी रहती है। नीति आयोग का अनुमान है कि देश के विभिन्न हिस्सों में अलग–अलग चुनावों के कारण प्रत्येक वर्ष लगभग 4 माह की अवधि आदर्श आचार संहिता के कारण प्रभावित होती है। लेकिन एक साथ चुनाव कराने पर भी पूरे देश में एक काल खण्ड में आदर्श आचार संहिता लागू रहेगी।

मकड़ी और मक्खी

आला–बाला मकड़ी ने जाला,
आंगन में जल्दी बुन डाला,
जाले में फंस गयी इक मक्खी,
मक्खी तो थी बड़ी उचक्की,
जोर जोर से वह चिल्लायी,
मकड़ी दौड़ वहां पर आई,
मक्खी ने मकड़ी को पकड़ा,
मकड़ी ने मक्खी को जकड़ा,
दोनों में फिर हुई लड़ाई,
जमकर करतीं हाथापाई,
हो गयीं दोनो गुत्थमगुत्था,
इक दूजे से कोई न कम था,
मक्खी उसे देख गुर्राती,
मकड़ी मन ही मन मुस्काती,
मक्खी आंखें लाल दिखाती,
मकड़ी आंखों को चमकाती,
मक्खी अपने पंख चलाती,
मकड़ी जाले में चिपकाती,
मक्खी तोड़ा करती जाला,
मकड़ी ने फिर राह निकाला,
पंख पर उसके लार लगाया,
पैरों पर जाला चिपकाया,
इधर से खींचा उधर से खींचा,
जिधर से चाहा उधर से खींचा,
मकड़ी ने मनचाहा पाया,
दांव न मक्खी का चल पाया,
मक्खी हो गयी गठरी जैसे ,
गाड़ी उतर गयी पटरी से,
अपना सारा जोश खो गयी,
पस्त हुई बेहोश हो गयी,
अब तो मकड़ी की बन आई,
मक्खी जरा न हिलडुल पाई,
खत्म हो गया झगड़ा सारा,
अब मक्खी थी उसका चारा।

शरत् चन्द्र श्रीवास्तव 'सरल'
गंगागंज, प्रयागराज।

दतिया का एकता मॉडल कांग्रेस दूसरे राज्यों में लागू करे

शकील अख्तर

राहुल गांधी को दतिया जाना चाहिए। देखें कि किस तरह कांग्रेस के पक्ष में माहौल है। मध्य प्रदेश में 23 साल से कांग्रेस सत्ता के बाहर है। मगर फिर भी लोग कांग्रेस से जुड़े हैं। यह कांग्रेस की गहरी जड़ें हैं। पूरे देश में ऐसा ही माहौल है। लोग कांग्रेस को चाहते हैं। मगर उसके नेता ही उसकी जड़ें खोदते हैं। मोदी 12 साल में देश में और उनसे पहले के नेता 23 साल में जिसमें अटल और आडवानी का शासन भी रहा यह काम नहीं कर पाए हैं। राहुल अगर अपने नेताओं पर नियंत्रण कर लें तो उनकी जीत का सिलसिला शुरू हो सकता है। दतिया इसका मॉडल बन सकता है। और राहुल के विश्वासपात्र जीतू पटवारी इसके ब्रांड अम्बेसडर। समस्या क्या है कि प्रदेश के नेता पहली बात तो राहुल का नेतृत्व नहीं मानते हैं। दूसरी बात खुद को ही इतना समर्थ ओर लोकप्रिय मान लेते हैं कि कांग्रेस से आगे खुद को रखने लगते हैं। मध्य प्रदेश के उदाहरण से ही शुरू करते हैं। यहां 2018 का विधानसभा चुनाव कांग्रेस ने जीता था। राहुल गांधी के नेतृत्व में। राहुल उस समय कांग्रेस अध्यक्ष थे। और उन्होंने केवल मध्य प्रदेश ही नहीं जीता था। उसके साथ होने वाले छत्तीसगढ़ और राजस्थान के चुनाव भी जीते थे। और इनसे पहले 2017 में गुजरात विधानसभा में भाजपा को हार के कगार पर ला खड़ा किया था। सौ से कम सीटों पर रोक दिया था। मुकाबला कितना कांटे का ले आए थे इससे समझ लीजिए कि 182 की विधानसभा में कांग्रेस को 80 और बीजेपी को 99 सीटें मिली। 45 साल के गुजरात के इतिहास में यह कांग्रेस का बेस्ट प्रदर्शन था। पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी थे और उन्होंने गुजरात में धुआंधार चुनाव प्रचार किया था। तो यही सिक्वेंस मध्य प्रदेश तक भी आया था। और 23 साल में यह उसकी एकमात्र जीत थी। लेकिन उस समय के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ यह समझे कि यह उनकी व्यक्तिगत जीत है। अहंकार में तो पहले ही रहते थे और इस जीत के बाद तो उनका दिमाग सीधा आसमान में पहुंच गया। कार्यकर्ताओं को छोड़िए बड़े–बड़े नेताओं को मिलने का समय नहीं। जीत में मुख्य भूमिका निभाने वाले ज्योतिरादित्य सिंधिया को चौलेंज कर दिया कि जाओ सड़क पर उतर जाओ। गंवा दी अपनी सरकार। कांग्रेस में कमलनाथ भी अपने तरीके के एक ही केस हुए हैं। 2018 विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने कमलनाथ को प्रदेश अध्यक्ष बनाया। जिस समय उनको अध्यक्ष बनाने की बात चल रही थी तो हमने कांग्रेस के कुछ बड़े नेताओं से पूछा कि अरुण यादव उस समय के अध्यक्ष अच्छा काम कर रहे हैं अचानक कमलनाथ को अध यक्ष बनाने की बात कैसे? जो जवाब हमें मिला वह भारी हैरान कर देने वाला था। बताया गया कि वे पैसा खर्च करेंगे। कांग्रेस जैसी पार्टी में प्रदेश अध्यक्ष का निर्धारण इस बात पर कि वे पैसा खर्च करेंगे बहुत ही अनोखी बात थी। मगर उसके बाद उन्हें अध्यक्ष के साथ मुख्यमंत्री का चेहरा भी बताना और भी ज्यादा आश्चर्यजनक था। कांग्रेस में पहले से किसी को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं किया जाता है। खैर कमलनाथ की कथा अनंत है। उन्होंने कांग्रेस का बहुत नुकसान किया। लेकिन उनके बाद आने वाले प्रदेश अध यक्ष जीतू पटवारी ने कांग्रेस की मजबूत जड़ें उसके कार्यकर्ता हैं इसको पहचाना और उन्हें मजबूत करने और हिम्मत भरने का काम शुरू किया। दतिया इसकी मिसाल है। वे यहां पहले तो कांग्रेस के प्रत्याशी धनश्याम सिंह का नामांकन भरवाने आए और उसके बाद फिर वापस आकर गांव–गांव के दौरे किए। इसमें सबसे ज्यादा चर्चा में उनके पांच पंजे छा गए। कार्यकर्ताओं के साथ जनता में हौसला भरने के लिए उन्होंने सार्वजनिक मंच से अपना फोन नंबर बताते हुए कहा कि कोई डराए–धमकाए, परेशान करे तो यह नंबर नोट कर लो। मुझे फौरन फोन करना। उन्होंने अपना नंबर बताते हुए कहा कि यह यह और यह और फिर पांच पंजे। मतलब पांच बार फाइव। दतिया में यह पांच पंजे चर्चा का विषय बन गए। कार्यकर्ताओं के साथ जनता के लोग भी एक दूसरे से पूछकर और उस सभा का वीडियो देखकर सही नंबर सेव कर रहे हैं। कार्यकर्ता जनता में हौसला ऐसे ही बनता है। चुनाव का माहौल खड़ा हो गया। कांग्रेस के हर राज्य में आपसी फूट और गुटबाजी है। हरियाणा, राजस्थान में इसकी वजह से चुनाव हारे। पंजाब, उत्तराखंड में अभी हैं। छह महीने के अंदर। लेकिन दोनों जगह गुटबाजी ने कार्यकर्ताओं को निराश कर रखा है। दोनों कांग्रेस की संभावनाओं वाले राज्य माने जा रहे हैं। लेकिन गुटबाजी कांग्रेस की जड़ें खोद रही है। राहुल को इसलिए दतिया का दौरा करके देखना चाहिए कि वहां किस तरह प्रदेश नेतृत्व ने स्थितियों को नियंत्रण में लिया है। और जीत का माहौल खड़ा किया है। प्रत्याशी की घोषणा के बाद यहां कांग्रेस में दूसरे टिकट के उम्मीदवारों में नाराजगी थी। मगर कांग्रेस में ऐसा कम होता है कि टिकट के दावेदार सभी बाद में अधिकृत प्रत्याशी के पक्ष में काम करने लगें। जीतू पटवारी ने यह कारनामा किया। इसके बरअक्स भाजपा में भारी फूट दिखाई दे रही है।

लघुकथा

'बुढ़ापे की लाठी'

– डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय

आज सुबह सुबह से ही जगदीश भाई का फोन दो बार आ चुका है और बात नहीं हो पायी है य तीसरी बार फोन की घंटी फिर बजी तो बयासी वर्षीय नारायन बाबू ने कांपते हाथों से उठा लिया, उधर से आवाज आई –

कैसे हैं नारायन बाबू तबियत तो ठीक है न?

अभिवादन के पश्चात नारायन बाबू वेदना भरे शब्दों में बोले –

जी भाई तबियत ठीक है लेकिन जब से मेरे पैंतीस वर्ष के होनहार शिक्षक पोते की हत्या कर दी गई

तब से पूरा परिवार बहुत व्यथित रहता है य मेरा जीवन तो बहुत ही सुखमय हो गया था किन्तु मेरे बुढ़ापे की लाठी क्रूर हत्यारे छीन ले गए।

जगदीश भाई क्या बताऊं ? एकदम अंधेरा सा छा जाता है , कुछ समझ में भी नहीं आता है य मेरा इकलौता पोता हमारे पूरे परिवार का भरण पोषण करने वाला था य सुबह विद्यालय के लिए निकला था जो जीवित लौट कर नहीं आया य पूरा दो महीना बीत गया अभी तक कुछ नहीं हुआ य अब तो आप लोगों का फोन ही सहारा बन गया है, किंतु यह भी कभी–कभी मिल पाता है य इस जघन्य हत्या के पखवाड़े भर बाद प्राथमिकी लिखी गई किन्तु डेढ़ महीने से केवल जांच ही चल रही है य अब तो ईश्वर की जो इच्छा होगी वही होगा य इतना कह कर नारायन बाबू फफक पड़े य जगदीश भाई ने कहा, ष्मुझे सूचना मिल गई थी। अपने कार्यालय से आठ वर्ष पूर्व कार्यमुक्त होने के बाद कहीं आने जाने की स्थिति में नहीं रह गया हूँ य आप धैर्य रखिये। सब ठीक हो जाएगा। आपका पोता नहीं, हम तो हैं न। हम लोग मिलजुलकर कुछ न कुछ व्यवस्था कर ही लेंगे। इसी के लिए तो हम सभी सेवानिवृत्त साथियों ने एक कल्याणकारी संस्था बनाई है, जो सभी के बुढ़ापे की लाठी बनती है। आपकी भी बनेगी।ष

सुनकर नारायण बाबू के आंखों में प्रसन्नता मिश्रित आंसू बह निकले। उन्हें बुढ़ापे की लाठी जो मिल गयी थी।

पता–
गंधियांव, करछना, प्रयागराज
212301 उत्तर प्रदेश
मो० 9935 2053 41
8299280381

विश्वसनीय हो स्क्रैपिंग

हरियाणा में पुराने वाहनों को चलन से बाहर करने के लिये सरकार ने जिन प्रोत्साहन स्कीमों की घोषणआ की है, वह समय की जरूरत है। हरियाणा सरकार ने वैज्ञानिक तरीके से गाड़ियों को स्क्रैप करने के लिये पांच प्रोत्साहन योजनाएं शुरू करने का फैसला किया है। जो पुरानी गाड़ियों को देखने के नजरिये में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकती हैं। दरअसल, पुरानी हो चुकी गाड़ियों को सिर्फ कबाड़ नहीं माना जाना चाहिए, यदि उनका कायदे से निस्तारण हो तो आर्थिक लाभ के साथ पर्यावरण की रक्षा भी की जा सकती है। कुछ लोग अपने वाहन की देखभाल इतने कायदे से करते हैं कि उसे कबाड़ कहना, उनकी भावना को ठेस पहुंचाने जैसा है। दरअसल, अब राज्य सरकार की नई पॉलिसी इन वाहनों को कबाड़ मानने के बजाय, उन्हें रीसाइकिल होने वाले मेटीरियल, ग्रीन जॉब्स प्रदाता और साफ हवा के स्रोत के रूप में दर्शाती है। निस्संदेह,यह कदम अर्थव्यवस्था में योगदान की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम है। दरअसल, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, भारत में 3.4 करोड़ से अधिक पुराने वाहन हैं। जिनमें दो करोड़ दो पहिया और 1.2 करोड़ चार–पहिया वाहन शामिल हैं। इनमें बड़ी संख्या में वाहन अभी सड़कों में चलाए जा रहे हैं। दरअसल, पुरानी गाड़ियां नये मॉडल की तुलना में काफी अधिक मात्रा में पार्टिकुलेट मैटर, नाइट्रोजन ऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड छोड़ती हैं। जिससे एक ओर वायु प्रदूषण बढ़ता है, वहीं लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। दरअसल, वैज्ञानिक स्क्रैपिंग से कीमती स्टील, एल्युमीनियम, तांबा और प्लास्टिक को दोबारा से हासिल किया जा सकता है। जिससे नये कच्चे माल पर निर्भरता कम हो सकती है। साथ ही उत्पादन में ऊर्जा की खपत भी घटती है। दरअसल, हरियाणा सरकार की प्रोत्साहन योजनाएं – कैपिटल सब्सिडी, स्टांप ड्यूटी की वापसी,एसजीएसटी रिफंड, ब्याज में मदद और स्किल डेवलपमेंट– अधिकृत स्क्रैपिंग और रीसाइक्लिंग सुविधाओं में निवेश को आकर्षित करने के लिये बनायी गई है। लेकिन इस पॉलिसी की सफलता सिर्फ इंडस्ट्री की भागीदारी पर ही निर्भर नहीं करेगी। गाड़ी मालिकों को भी स्वेच्छा से इसमें शामिल करने के लिये प्रोत्साहित करना होगा। तमाम परिवारों के लिये, पुरानी गाड़ी सिर्फ घटती कीमत वाली संपत्ति नहीं है, बल्कि रोजी–रोटी का जरिया भी होती है। जब तक उन्हें उचित मुआवजा,आसान प्रक्रियाएं और अधिकृत स्क्रैपिंग सेंटर्स तक सुविधाजनक पहुंच नहीं मिलेगी, तब तक कई लोग अनौपचारिक सेक्टर पर ही निर्भर रहेंगे। ऐसे में गैर–कानूनी तौर पर गाड़ियों को तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। वहीं लोगों को जागरूक बनाने और स्वेच्छा से स्क्रैपिंग के लिये प्रोत्साहित करने की जरूरत है।

गलत हाथों में नहीं जाने दूंगी कमान, आरोपियों पर भड़कीं श्वेता मेनन, हेमा कमेटी की रिपोर्ट पर भी रखी राय

> सच सामने आना चाहिए। एएमएमए इससे बेहतर की हकदार है। मेनन के अध्यक्ष पद से अपना इस्तीफा वापस लेने, एड-हॉक कमेटी बनाने के कदम को चुनौती देने और कोर्ट से स्टे लेकर पद पर बने रहने के बाद एएमएमए में अंदरूनी सत्ता संघर्ष चल रहा है।

एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स (एएमएमए) का मामला अभी भी चर्चा में हैं। 21 जून को एएमएमए की प्रेसिडेंट श्वेता मेनन ने अपने पद से अचानक इस्तीफा दे दिया। उसी दिन संगठन की पूरी एग्जीक्यूटिव कमेटी ने एक साथ इस्तीफा दे दिया। इसके बाद इस मामले में केरल सरकार की तरफ से जांच कराई गई। श्वेता मेनन ने इस पर अपनी बात रखी है। सरकार की तरफ से गठित हेमा कमेटी ने मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न, शोषण और कार्यस्थल पर भेदभाव के आरोपों की जांच की गई है। एएमएमए की प्रेसिडेंट और एक्ट्रेस श्वेता मेनन ने मंगलवार को फेसबुक पोस्ट में कहा श्मेरी लड़ाई पावर ग्रुप के खिलाफ है। पिछली एजीएम में उन्होंने मुझे नीचा दिखाने और बाहर निकालने की कोशिश की थी। जब तक मैं यहां हूं, हेमा कमेटी रिपोर्ट में गंभीर आरोपों का सामना करने वाले लोग कभी भी एएमएमए की कमान नहीं संभाल पाएंगे। यह सुनिश्चित करने के लिए मैं किसी भी हद तक जाऊंगी। मेनन ने कहा कि उन्होंने जानबूझकर सार्वजनिक बयान देने से परहेज किया था, लेकिन जवाब देने का फैसला इसलिए किया क्योंकि उनके अनुसार, हेमा कमेटी रिपोर्ट में आरोपी लोग बार-बार उन्हें व्यक्तिगत रूप से अपमानित करने और उनके उठाए गए मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे थे। मेनन ने दावा किया श्जब मैंने उनमें से कुछ लोगों की वित्तीय अनियमितताओं के बारे में सवाल उठाए, तो उन सवालों का जवाब देने के बजाय मुझे व्यक्तिगत अपमान का सामना करना पड़ा। मेरे उठाए गए असली मुद्दों को दबाया जा रहा है, जबकि मेरे बारे में झूठी बातें फैलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा मैं डरूंगी नहीं। मुझे चुप नहीं कराया जा सकेगा। मैं हार नहीं मानूंगी। मैं पीछे नहीं हटूंगी। सच सामने आना चाहिए। एएमएमए इससे बेहतर की हकदार है। मेनन के अध्यक्ष पद से अपना इस्तीफा वापस लेने, एड-हॉक कमेटी बनाने के कदम को चुनौती देने और कोर्ट से स्टे लेकर पद पर बने रहने के बाद एएमएमए में अंदरूनी सत्ता संघर्ष चल रहा है। खबरों के मुताबिक, सदस्यों को लिखे एक पत्र में उन्होंने कहा कि एग्जीक्यूटिव कमेटी ने अनुभव की कमी के कारण हुई गलतियों को सुधारना शुरू कर दिया है और वह और अधिक जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करती रहेगी। साल 2025 में इतिहास रचते हुए एग्जीक्यूटिव कमेटी ने दो महिलाओं को अपने सबसे ऊंचे पदों पर चुना था। एक्ट्रेस श्वेता मेनन पहली महिला प्रेसिडेंट बनीं और एक्ट्रेस कुकू परमेश्वरन ने जनरल सेक्रेटरी का पद संभाला। हालांकि, इस अहम उपलब्धि पर जल्द ही कई विवादों का साया पड़ गया, जिनसे गिल्ड के अंदर की गहरी दरारें सामने आ गईं और आखिरकार 21 जून को बड़ा टकराव हुआ।

मेरी कुछ सीमाएं हैं...काजल अग्रवाल ने बताया, बोल्ड और इंटिमेट सीन करना पसंद नहीं, इस वजह से ठुकराई बड़ी फिल्में

आज कल के समय में फिल्मों में बोल्ड सीन होना कोई बड़ी बात नहीं है। लोगों को फिल्म की तरफ अट्रैक्ट करने के लिए आज-कल हर फिल्म में इस तरह के सीन दिखाए जाते हैं। लेकिन जब किसी एक्ट्रेस की शादी हो जाती है तो उसके बाद यदि वो बोल्ड सीन करती है तो उसे जज किया जाता है। हाल ही में टॉक्सिक का ट्रेलर रिलीज होने के बाद कियारा को काफी ट्रोल किया जा रहा है, ऐसा इस वजह से क्योंकि इस फिल्म में ऐसे बहुत से बोल्ड सीन दिखाए गए हैं। इसी मुद्दे को लेकर काजल अग्रवाल ने भी अपनी राय रखी है। हाल ही में काजल अग्रवाल एक पॉडकास्ट पर पहुंची और इस मुद्दे पर अपनी राय रखी। काजल ने कहा कि इंटिमेट सीन करना ये उस व्यक्ति की खुद की पसंद होती है। उन्होंने कहा कि लड़कों को किसी भी रिश्ते या फैसले से पहले अच्छी तरह सोच-समझकर अपना चुनाव करना चाहिए। किसी पर कुछ करने या न करने के दवाब नहीं होना चाहिए आखिरकार यह निर्णय इंसान अपने दिल और अपनी इच्छा से लेता है। उनका मानना है कि महिलाओं को अक्सर इसलिए निशाना बनाया जाता है क्योंकि वे ऐसे मामलों में अधिक सजग और अपनी सीमाओं को लेकर स्पष्ट रहती हैं। काजल अग्रवाल ने कहा की उन्होंने अपने करियर में हमेशा अपनी निजी सीमाओं का सम्मान किया है। उन्होंने कभी ऐसे किरदार स्वीकार नहीं किए, जिनमें उन्हें स्क्रीन पर बोल्ड या इंटिमेट सीन देने पड़े। उनका कहना था कि वह केवल वही काम करती हैं, जिसमें वह सहज महसूस करती हैं। उदाहरण के तौर पर उन्होंने बताया कि उन्होंने कभी बिकनी पहनकर सीन नहीं किए क्योंकि वह उसमें कम्फर्टेबल नहीं थीं। इसी वजह से उन्होंने कई बड़ी फिल्मों के ऑफर भी ठुकरा दिए लेकिन उन्हें इस फैसले का कोई पछतावा नहीं है। काजल के मुताबिक, यह उनकी व्यक्तिगत सीमा और सिद्धांत हैं, जिनसे वह कभी समझौता नहीं करना चाहतीं। इसके बाद काजल ने बताया कि जब से वो मां बनी हैं, जब से वो कोई भी मूवी सोच-समझ कर साइन करती हैं। ऐसा इस वजह से जब भी मेरा बेटा मेरी फिल्में देखें तो असहज महसूस न करें।

शाहरुख खान को आखिरी सुपरस्टार नहीं मानते अन्नू कपूर, किंग खान के दावे को किया खारिज

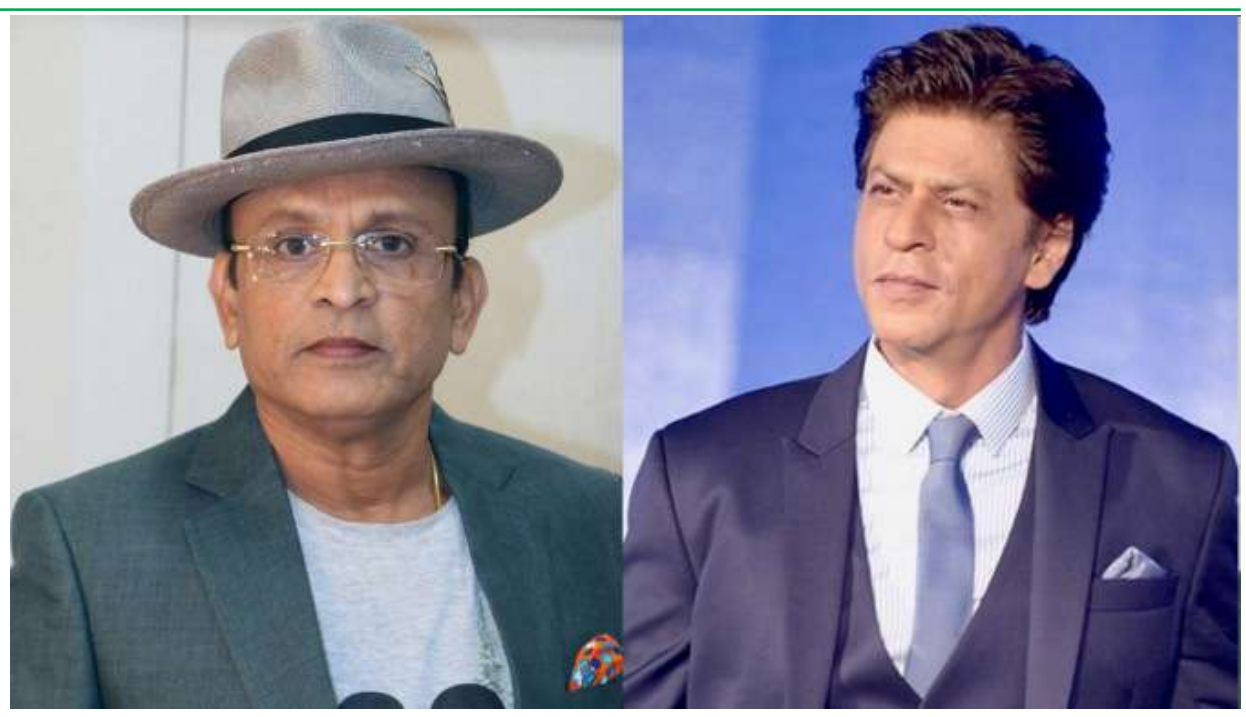

अन्नू कपूर ने शाहरुख खान को आखिरी सुपरस्टार कहने से इनकार कर दिया है। इस तरह उन्होंने शाहरुख खान के ही वर्षों पहले किए गए दावे को खारिज कर दिया है। दरअसल, कुछ साल पहले शाहरुख खान ने एक बातचीत में जिक्र किया था कि वे आखिरी सुपरस्टार हैं। मगर, शाहरुख की इस बात से अन्नू कपूर असहमत हैं। शाहरुख खान ने अनुपम खेर के टॉक शो कुछ भी हो सकता है में बात करते हुए कहा था, मैं विनम्र हूं। लेकिन सच कहूं तो आखिरी सुपरस्टार हूं। उनके फैंस इस बात से सहमत भी होते हैं। मगर, अन्नू कपूर की राय एकदम अलग है। फिल्म डर में शाहरुख खान के साथ काम कर चुके अन्नू कपूर का कहना है कि इंडस्ट्री में किसी भी स्टार के बारे में ऐसा कहना गलत है। शाहरुख आखिरी सुपरस्टार हैं, उन्हें ऐसा नहीं लगता। अन्नू कपूर ने हाल ही में हिंदी रश के साथ एक इंटरव्यू में कहा कि उन्हें याद नहीं कि उन्होंने फिल्म डर में उनके साथ काम किया था। मगर, बाद में खुद ही इस बात की ओर संकेत किया कि उस वक्त शाहरुख खान नए अभिनेता थे। अन्नू कपूर ने आगे कहा कि कितने ही पुराने कलाकार हैं, जिनकी जगह इडंस्ट्री में नए कलाकारों ने ली है। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजेश खन्ना के समय भी लोग कुछ इसी तरह बात किया करते थे। अन्नू कपूर ने कहा, राजेश खन्ना के जाने के बाद क्या अमिताभ बच्चन नहीं आए? अभिनेता ने अमिताभ बच्चन के अलावा लता मंगेशकर और आशा भोसले का भी नाम लिया। उन्होंने कहा कि श्अमिताभ बच्चन, लता मंगेशकर, आशा भोसले जैसी लंबी और सफल पारी कोई नहीं खेल पाया। इतने लंबे वक्त तक दर्शकों के बीच लोकप्रिय बने रहना आसान नहीं। अन्नू कपूर ने शाहरुख खान को लेकर आगे कहा कि उन्होंने साल 1992 में करियर शुरू किया। वे 34 साल से इंडस्ट्री में हैं। उनके काम को भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने मेहनत भी की है। लेकिन, जब अन्नू कपूर से पूछा गया कि क्या शाहरुख खान 2045 तक भी उतने ही प्रासंगिक रह पाएंगे? इस पर उन्होंने कहा कि मुझे ऐसा नहीं लगता।

इतना तो मेरे पापा भी मुझे किस नहीं करते. ..राम कपूर की हरकत पर भड़की श्रेया कालरा, बोलीं- ऐसे सीनियर पर थू है

एकता कपूर का रियलिटी शो लॉकअप 2 में हर दिन नए विवाद और तीखी नोंकझोंक देखने को मिल रही है। आए दिन प्रतियोगियों के बीच तनाव बढ़ता हुआ नजर आ रहा है। बढ़ते तनाव की वजह से सोशल मीडिया पर हर जगह बस इसी की चर्चा हो रही है। अब हाल ही में श्रेया कालरा राम कपूर पर बरस पड़ी हैं। राम कपूर के बार-बार किस करने की वजह से श्रेया को इस बात पर गुस्सा आ गया, इसके बाद उन्होंने इस मामले पर खुलकर अपनी राय रखी। शो में आयोजित एक टास्क के दौरान श्रेया कालरा पर अपने डिपेंडेंट राम कपूर को सुरक्षित बचाने की जिम्मेदारी थी। श्रेया ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए यह टास्क जीत लिया। इससे खुश होकर राम कपूर ने अपनी खुशी को जाहिर करने के लिए श्रेया का मुंह पकड़ा और उन्हें किस कर लिया। इस दौरान श्रेया काफी शोक हो गईं और काफी असहज हो गईं। उस दौरान श्रेया शांत रहीं लेकिन बाद में शिल्पा से बात करते हुए उन्होंने राम कपूर के इस व्यवहार की बात की। श्रेया ने बताया कि उस पल राम कपूर के अचानक किए गए इस व्यवहार से वे कितनी अनकम्फर्टेबल महसूस कर रही थीं। बातचीत के दौरान श्रेया कालरा ने शिल्पा शिंदे से कहा कि जब शिवांगी टास्क कर रही थीं, तब राम कपूर उनके काफी करीब आ गए थे। उस समय हर्षद ने भी उन्हें टोका और कहा कि थोड़ा दूरी बनाए रखें और अपनी सीमाओं का ध्यान रखें। श्रेया ने आगे कहा की अगर भविष्य में राम कपूर ने उन्हें दोबारा किस करने की कोशिश की तो वह अपने साफ शब्दों में मना कर देंगी। उन्होंने कहा, मैं सीधे कह दूंगी कि मेरे पापा भी मुझे इतना किस नहीं करते इसलिए प्लीज दोबारा ऐसा मत करना। मैंने आपके लिए तीन रस्क जीते लेकिन आपके एक बार भी मेरा साथ नहीं दिया।

अनुपम खेर बनेंगे जटायु की आवाज, नितेश तिवारी की रामायण का हिस्सा बने एक्टर

नितेश तिवारी की रामायण इस साल की बहु प्रतीक्षित फिल्मों में शामिल है। कई बड़े दिग्गज सितारों से सजी इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे। वहीं, साई पल्लवी सीता माता की भूमिका में नजर आएंगी। अनुपम खेर भी फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म रामायण में यश को रावण की भूमिका में देखा जाएगा। रवि दुबे को लक्ष्मण की भूमिका में देखा जाएगा। इनके अलावा अभिनेता अनुपम खेर भी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं। दादा साहब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया गया है। इसमें लिखा है, अनुपम खेर ने फिल्म में जटायु के किरदार को अपनी आवाज दी है। इस पोस्ट में लिखा है, अनुभवी एक्टर अनुपम खेर को फिल्म रामायण में कन्फर्म किया गया है। वे नितेश तिवारी की रामायण में जटायु के किरदार को आवाज देंगे। इस एलान के साथ ही उन महीनों की अटकलों पर विराम लग गया है, जिनमें कहा जा रहा था कि अमिताभ बच्चन जटायु की आवाज बनेंगे। मगर, अब पता चला है कि बिग बी नहीं, अनुपम खेर की आवाज दर्शक सुनेंगे। उम्मीद है कि रावण के साथ जटायु की लड़ाई फिल्म के सबसे इमोशनल और दमदार दृश्यों में से एक होगी। खबरों के मुताबिक, निर्देशक नितेश तिवारी ने इस सीन को एक अहम सिनेमैटिक पल बताया है, जिसमें अनुपम खेर की आवाज इस सम्मानित किरदार को स्क्रीन पर जीवंत कर देगी। फिल्म श्रामायणश दो हिस्सों में बनेगी। फिल्म में सनी देओल को हनुमान के रोल में देखा जाएगा। फिल्म का संगीत हंस जिमर और ए.आर. रहमान ने तैयार किया है। रामायण का पहला भाग इस साल दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज होगा। दूसरा पार्ट अगले साल यानी 2027 में दिवाली के अवसर पर रिलीज होगा।

वेट लॉस लग रहा है मुश्किल तो दूध के साथ मिलाकर पिएं ये 3 चीजें, कुछ ही दिनों में महसूस करने लगेंगे फर्क

जरूरत से ज्यादा मोटापा न सिर्फ व्यक्ति की पर्सनालिटी खराब करता है बल्कि शरीर में कई अन्य रोगों को भी जन्म देने का कारण बन जाता है। अगर आप लंबे समय से वेट लॉस करने की कोशिश कर रहे हैं और अपनी सभी कोशिशों में नाकाम हो चुके हैं तो दूध के साथ मिलाकर पिएं ये 3 चीजें। दूध में फास्फोरस, कैल्शियम, पोटेशियम, जिंक, मैग्नीशियम के साथ विटामिन ए, डी और बी 12 भी मौजूद होते हैं। जो सेहत को कई तरह के फायदे पहुंचाते हैं। आपने आजतक लोगों को मोटा होने के लिए केले के साथ दूध पीते हुए देखा होगा। लेकिन वेट लॉस के लिए भी आप दूध में कई चीजें डालकर पी सकते हैं। आइए जानते हैं उनके बारे में।

दूध और हल्दी–

दूध और हल्दी का कॉन्बिनेशन वजन घटाने के लिए बेहद असरदार माना जाता है। इस उपाय के लिए आप एक गिलास दूध में हल्दी पाउडर मिलाकर रोज रात को सोते समय इसका सेवन करें। हल्दी वाला दूध पीने से व्यक्ति की इम्यूनिटी बूस्ट होने के साथ बैक्टीरियल इंफेक्शन से भी बचाव होता है। वेट लॉस के लिए इस उपाय को करने से व्यक्ति को कमजोरी महसूस नहीं होती है।

दूध और बादाम–

एक हेल्दी वेट लॉस के लिए आपको दूध में बादाम मिलाकर पीना चाहिए। रोजाना सुबह दूध के साथ बादाम लेने से व्यक्ति को लंबे समय तक भूख नहीं लगती और वो ओवर डाइटिंग करने से बच जाता है। जिससे धीरे–धीरे वेट लॉस करने में मदद मिलती है। इस उपाय को करने के लिए एक गिलास दूध में बादाम का पाउडर मिलाकर पी लें।

दूध और अंजीर–

वेट लॉस करने के लिए दूध में अंजीर मिलाकर भी खाई जा सकती है। अंजीर में फाइबर की अधिकता की वजह से व्यक्ति का पेट लंबे समय तक भरा रहता है और उसे कब्ज की भी शिकायत नहीं रहती है। इस उपाय को करने के लिए एक गिलास दूध में एक से दो अंजीर रात भर भिगोकर रख दें। सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से शरीर को एनर्जी मिलने के साथ वेट लॉस में भी मदद मिलती है।

बच्चे के स्कूल में नहीं हैं दोस्त तो करें इस तरह हेल्प

कुछ बच्चों के ढेर सारे दोस्त होते हैं तो वहीं कुछ बच्चे क्लासरुम से लेकर पार्क में भी बिल्कुल अकेले ही होते हैं। उनका कोई दोस्त नहीं होता। अपनी कमजोर सोशल स्किल की वजह से अक्सर ऐसे बच्चों को दोस्त बनाने में मुश्किल होती है। ऐसा नही है कि वो दोस्त बनाना नहीं चाहते लेकिन उनका संकोची स्वभाव उन्हें नए दोस्त बनने से रोक लेता है। ऐसे में बच्चों को एकाकीपन का सामना करना पड़ सकता है। अगर आपका बच्चा भी सोशल स्किल के मामले में कमजोर है और उसके दोस्त नही हैं तो पैरेंट्स होने के नाते आप भी अपने बच्चे की नए दोस्त बनाने में हेल्प कर सकते हैं।

नए लोगों से हैलो कहना सिखाएं

बच्चा अगर किसी अनजान से बात करने से डरता है तो

उसकी सोशल एंजायटी को दूर करने की कोशिश करें। इसके लिए आप बड़े ही प्यार से उसे हैलो कहने के लिए बोलें। सबसे पहले उसकी उम्र से छोटे और बराबर के बच्चों से भी मिलकर हैलो बोलने के लिए बोलें। एज का डिफरेंस कई बार बच्चों को शाई बना देता है। फैमिली मेंबर से पहले इंट्रोड्यूस करवाएं और उनसे दोस्ती बढ़ाने की पहल करें।

प्यार से पेश आएं

बच्चा अगर किसी से बात नहीं कर रहा तो उसे बेहद प्यार से समझाएं और बोलें। घर में एकदम से चिल्ला कर या डांटकर ऐसा करने को ना कहें। इससे बच्चों के मन में अनजान लोगों के प्रति डर बैठ जाता है और वो किसी से बात करना पसंद नहीं करते हैं। बच्चे को दूसरों की हेल्प करने और गुड हैबिट्स सिखाएं। जिससे कि दूसरे बच्चे उसकी तरफ अट्रैक्ट होकर दोस्ती का हाथ बढ़ाए। इससे बच्चे की सोशल स्किल अच्छी होगी और वो दोस्त आसानी से बना पाएगा।

मन की बात शेयर करना सिखाएं

कई बार बच्चे एक्टिव नहीं होते है और ज्यादा बात नहीं करते। इसलिए बच्चों को पहले अपने इमोशन पैरेंट्स के साथ शेयर करना सिखाएं। साथ ही बताएं कि कुछ दोस्तों से वो अपने मन की बात कह सकता है और बातें कर सकता है। इस काम के लिए आप उसे छोटे–छोटे टिप्स दे सकते हैं।

बच्चों को घर बुलाएं

बच्चों के लिए अपना घर सबसे सेफ प्लेस होता है। इसलिए बच्चे के दोस्त बढ़ाने के लिए आप उसके क्लासमेट्स और पार्क में साथ खेल रहे बच्चों को घर पर बुलाकर फन एक्टीविटीज करवा सकते हैं। जिससे कि बच्चा घर में बाकी बच्चों के साथ ठीक से घुलमिल सके।

बारिश के साथ बढ़ा 'आई फ्लू' का खतरा, ये हैं लक्षण और बचाव के उपाय

देश के कई शहरों में बारिश की वजह से बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। तेज बारिश की वजह से न सिर्फ लोगों का जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया है बल्कि आंखों से जुड़ी बीमारियां भी तेजी से बढ़ने लगी हैं। जिसमें आई फ्लू के केस लगातार बढ़ रहे हैं। आई फ्लू से पीड़ित व्यक्ति को आंखों में दर्द, लालपन जैसी कई परेशानियां झेलनी पड़ती हैं। ऐसे में खुद को आई फ्लू के संक्रमण से दूर रखने के लिए आइए जानते हैं आखिर क्या होता है आई फ्लू, क्या हैं इसके लक्षण और बचाव के उपाय।

क्या होता है आई फ्लू ?

आई फ्लू को मेडिकल भाषा में पिंक आई या कंजंक्टिवाइटिस भी कहा जाता है, जो बारिश के मौसम में होने वाली एक आम समस्या है। आई फ्लू के दौरान आंखों के सफेद हिस्से में संक्रमण हो जाता है। आई फ्लू के ज्यादातर मामले सर्दी–खांसी वाले वायरस की वजह से बढ़ते हैं। बरसात में फंगल इन्फेक्शन समेत हवा में प्रदूषण, वातावरण में नमी जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। जिसकी वजह से कई बार लोगों को आंखों से जुड़ी परेशानियां होने लगती हैं।

आई फ्लू के लक्षण–

–आंखों का लाल होना

– आंखों में सफेद रंग का कीचड़ दिखाई देना

– आंखों से पानी बहना

– आंखों में सूजन

–आंखों में दर्द

–आंखों में खुजली

आई फ्लू फैलने का कारण–

दरअसल, बारिश के गंदे पानी में नहाने या फिर लंबे समय तक पसीने में काम करने से आंखों में इंफेक्शन की समस्या हो जाती है। इसके अलावा आई फ्लू से पीड़ित लोगों के साथ हाथ मिलाने और गंदे हाथों से आंखों को छूने से भी आंखों में इंफेक्शन हो सकता है। आप अगर आई फ्लू से पीड़ित व्यक्ति के कपड़े यूज करते हैं तो भी आई फ्लू होने की आशंका बनी रहती है।

आई फ्लू से बचने के उपाय–

–पीड़ित व्यक्ति काला चश्मा पहनकर रखे

–टीवी या मोबाइल देखने से बचें

–आंखों को बार–बार छूने से बचें

–आंखों को छूने के बाद साबुन से हाथ जरूर धो लें।

–आई इन्फेक्शन से बचने के लिए बारिश में भीगने से बचें।

आई फ्लू होने पर क्या करें–

–आंखों को गुनगुने पानी से क्लीन करें।

–आंखों को साफ करने के लिए किसी साफ और सूती कपड़े का इस्तेमाल करें।

–आई फ्लू के लक्षण दिखते ही तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

लटकती तोंद से हैं परेशान तो करें ये एक काम, हफ्ते भर में दिखेगा चौकाने वाला फर्क

कुछ लोग अपने शरीर से तो खुश होते हैं लेकिन अपने लटकते पेट की वजह से परेशान होते हैं। अगर आप अपने तोंद से परेशान है और कई उपाय करने के बाद भी आप अपने पेट की चर्बी कम नहीं कर पा रहे हैं तो यहां हम आपको एक ऐसा तरीका बता रहे हैं जो आपके बेली फैट को फटाफट कम करने में मदद कर सकता है। अगप आप लटकते पेट को कम करना चाहते हैं तो पेट की मसाज करना शुरू कर दें। यहां जानिए कि क्या वाकई में मसाज से पेट कम होगा और इसके फायदे।

क्या मसाज से वाकई में कम होगा पेट

रिपोर्ट कि मानें तो हफ्ते में 5 दिन किसी भी तेल से पेट की मालिश करने से पेट के फैटी टिशू और कमर के बढ़े हुए एरिया को कम करने में मदद मिलती है। हालांकि, इसे करते समय आपको एक सही तरीके को अपनाना चाहिए। मसाज की मदद से पेट के साथ ही वजन भी कम करने में मदद मिलती है। यहां जानिए मसाज के फायदे।

मसाज के फायदे

ब्लड फ्लो बढ़ेगा– पूरे शरीर की मालिश ब्लड फ्लो को बढ़ाने में मदद करती है। यह आपके शरीर में टॉक्सिन से छुटकारा पाने में मदद करता है। इससे मेटाबॉलिज्म में भी सुधार होता है।

मांसपेशियों होंगी टोन– मालिश की मदद से मांसपेशियों को टोन करने में मदद मिलती है। ये मांसपेशियों में स्टिफनेस और दर्द को भी कम कर सकते हैं।

पाचन में सुधार– हेल्दी आंत वजन घटाने में भी मदद करती है। मालिश आंत की गतिविधि को बूस्ट करने में मदद करती है, जिससे मल त्याग में सुधार होता है। वहीं इससे कब्ज कम होती है और पेट दर्द कम होता है।

तनाव होगा कम– तनाव से शरीर टॉक्सिन बढ़ जाते हैं। जिससे मेटाबॉलिज्म स्लो हो सकता है। ऐसे में मालिश करने से तनाव कम करने में मदद मिलती है और श्फील गुडश हार्मोन रिलीज होते हैं।

नींद की गुणवत्ता में सुधार– पूरे शरीर की मालिश से मांसपेशियों को आराम मिलता है। ऐसे में स्लीप क्वालिटी बेहतर होती है। नींद की कमी वजन बढ़ने से जुड़ी है, इसलिए मालिश से नींद की क्वालिटी में सुधार होता है।

कैसे करें पेट की मालिश

आप शीशे के सामने खड़े होकर भी अपने पेट की मालिश कर सकते हैं। हालांकि, खाने के तुरंत बाद कभी भी पेट की मालिश न करें। ज्यादा फर्क देखने के लिए दिन में दो बार ऐसा करें। इसके लिए सुबह नाश्ते से पहले और रात में सोने से ठीक पहले पेट की मालिश करने की सलाह दी जाती है।

डिलीवरी के बाद इस वजह से महिलाओं को खिलाई जाती है पंजीरी, मिलते हैं ये फायदे

ज्यादातर हर परिवार में डिलीवरी के बाद नवजात शिशु की मां को पंजीरी खिलाई जाती है। माना जाता है कि न्यू मदर्स के लिए पंजीरी बेहद स्वस्थ आहार होता है। पंजीरी में प्रोटीन, कैल्शियम, फास्फोरस और आयरन जैसे समृद्ध पोषक तत्व मौजूद होते हैं। जो नई मां के शरीर को ऊर्जा और पोषक तत्व प्रदान करतें हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी हो जाता है कि प्रसव के बाद शिशु को स्तनपान कराने वाली महिलाओं के आहार में पंजीरी शामिल करने से उसे क्या–क्या फायदे मिलते हैं। आइए जानते हैं।

डिलीवरी के बाद महिला को पंजीरी खाने से मिलते हैं ये फायदे–

पौष्टिक–

पंजीरी कई तरह के पोषक तत्वों से समृद्ध होती है। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, फास्फोरस और आयरन जैसे जरूरी मिनरल्स के साथ ही फैट, फाइबर, ऐश भी होते हैं। जो महिला की सेहत को बनाए रखने में मदद करते हैं।

कब्ज से राहत–

पंजीरी में मौजूद फाइबर पाचन संबंधित समस्या जैसे कब्ज को दूर करने में मदद कर सकता है।

दूध बढ़ाए–

डिलीवरी के बाद नई मां अगर डाई फ्रूट्स और घी से बनी पंजीरी खाती है तो उसके स्तनों में दूध बढ़ सकता है। ऐसे में अगर आपको अपने नवजात शिशु को पिलाने के लिए दूध नहीं बन रहा है तो पंजीरी का सेवन करना शुरू कर दें।

अवसाद–

पंजीरी में मौजूद प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम, आयरन और कई तरह के विटामिन महिला को शिशु को जन्म देने के बाद होने वाले डिप्रेशन की समस्या से बचाने में मदद कर सकते हैं।

रिकवरी में करती है मदद–

कई रिसर्च बताती हैं कि पंजीरी खाने से नई मां का स्वास्थ्य जल्दी ठीक हो सकता है। आमतौर पर कहा जाता है कि डिलीवरी के बाद नई मां के शरीर को रिकवर करने में लगभग 6 महीने तक का समय लग सकता है। ऐसे में पंजीरी को आहार में शामिल करने से नई मां अपनी शारीरिक ताकत दोबारा जल्दी पाने में मदद मिल सकती है।

एनर्जी–

पंजीरी नई मां के शरीर को स्वस्थ्य व ऊर्जावान बनाए रखने में भी काफी मदद कर सकती है। स्तनपान कराने वाली महिलाओं के आहार में पंजीरी को सप्लीमेंटरी स्नैक्स के तौर पर शामिल किया जाता है।

संक्षिप्त

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट टीम की घोषणा की, कप्तान पैट कमिंस की वापसी

सिडनी,एजेंसी। बांग्लादेश के खिलाफ अगले महीने खेली जाने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ने 13 सदस्यीय स्क्वॉड की घोषणा कर दी है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस इस वर्ष अपना पहला मैच खेलने के लिए तैयार हैं, क्योंकि बांग्लादेश के खिलाफ खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज के लिए टीम में उनकी वापसी हो गई है। पैट कमिंस ने पिछला मुकाबला दिसंबर में खेला था। इस मुकाबले के बाद से ही वे टीम से बाहर चल रहे थे। बांग्लादेश के खिलाफ 13 अगस्त से सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा। इस सीरीज के लिए पैट कमिंस के साथ ही तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड भी 13 सदस्यीय स्क्वॉड का हिस्सा हैं। बांग्लादेश की टीम इन तीनों स्टार गेंदबाजों का सामना कर सकती है। इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बाहर होने वाले स्पिनर नाथन लियोन की वापसी हुई है। उनके साथ बैक–अप तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड और ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर और कैमरून ग्रीन को भी टीम में शामिल किया गया है। सिलेक्शन चेयर जॉर्ज बेली ने कहा, एनएसपी (नेशनल सिलेक्शन पैनल) पैट, जोश और नाथन की वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। उन्होंने अपनी–अपनी चोटों से उबरने के लिए पिछले कुछ महीनों में अकेले और एसएसएसएम (स्पोर्ट्स साइंस और स्पोर्ट्स मेडिसिन) टीमों के साथ मिलकर बहुत मेहनत की है। जॉर्ज बेली ने आगे कहा, हालांकि यह 13 खिलाड़ियों का स्क्वाड है, लेकिन अगर इन मैचों से पहले किसी बदलाव की जरूरत पड़ी, तो हमारे पास तैयार और उपलब्ध खिलाड़ी मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि जैसा कि पहले बताया गया है, अगले 12 महीनों में क्रिकेट की मात्रा और शेड्यूल को देखते हुए कई खिलाड़ियों को सभी फॉर्मेट में और मौके मिलने की संभावना है। ऑस्ट्रेलिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की स्टैंडिंग में सबसे ऊपर है, जबकि बांग्लादेश अभी चौथे स्थान पर है। दोनों टीमों के बीच सीरीज का पहला मुकाबला डॉर्विन में 13–17 अगस्त और दूसरा मुकाबला मैके में 22–26 अगस्त के बीच खेला जाएगा। बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई स्क्वॉडरू पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, ब्यू वेबस्टर का नाम शामिल हैं।

हश्वकी विश्व कप के लिए भारतीय पुरुष टीम घोषित, हरमनप्रीत संभालेंगे कमान

नई दिल्ली,एजेंसी। हॉकी इंडिया ने सोमवार को बेल्जियम और नीदरलैंड में 15 से 30 अगस्त तक होने वाले एफआईएच विश्व कप के लिए 20 सदस्यीय पुरुष टीम की घोषणा की। इस टीम की कप्तानी हरमनप्रीत सिंह करेंगे। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और शानदार युवा प्रतिभाओं का मेल है। गोलकीपिंग विभाग में मोहित एचएस और सूरज करकेरा शामिल हैं, जबकि डिफेंस यूनिट में जरमनप्रीत सिंह, कप्तान हरमनप्रीत, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित और यशदीप सिवाच शामिल हैं। मिडफील्ड की कमान मनप्रीत, हार्दिक सिंह और विवेक सागर प्रसाद की तिकड़ी संभालेगी, साथ ही नीलाकांता शर्मा और होनहार युवा खिलाड़ी राजिंदर सिंह और आदित्य अर्जुन लालागे भी इसमें शामिल होंगे। अटैक की जिम्मेदारी मनदीप सिंह, दिलप्रीत सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह और शिलानंद लाकड़ा के कंधों पर होगी। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन को भरोसा है कि चुनी गई टीम के पास भारतीय हॉकी के इतिहास में अपना अध्याय लिखने का शानदार मौका है। टीम को लेकर अपने विचार रखते हुए फुल्टन ने कहा, यह एक संतुलित टीम है, जिसमें टूर्नामेंट के अनुभव और अच्छे फॉर्म में चल रहे युवाओं का सही मिश्रण है। इन युवाओं ने अपनी जगह अपने प्रदर्शन के दम पर बनाई है, न कि अपनी प्रतिष्ठा के कारण। फुल्टन ने कहा, दबाव बनाना, जवाबी हमला करना और अच्छा प्रदर्शन करना सिर्फ हमारी रणनीतिक पहचान नहीं है। यह वह तरीका है जिससे यह ग्रुप हर दिन एक साथ ट्रेनिंग करता है और सोचता है। हम बहुत आगे की नहीं सोच रहे हैं। हम एक बार में एक ही मैच पर पूरा ध्यान देने की मानसिकता के साथ उतर रहे हैं। 1975 विश्व कप जीत के बाद से 50 साल हो गए हैं। इस टीम के पास भारतीय हॉकी के इतिहास में अपना एक नया अध्याय लिखने का मौका है। हम इसे लेकर वाकई बहुत उत्साहित हैं। इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स के साथ पूल डी में शामिल भारत अपने सभी पूल–स्टेज मैच एमस्टेलवीन, नीदरलैंड में खेलेगा। भारत अपने अभियान की शुरुआत 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ करेगा, इसके बाद 17 अगस्त को इंग्लैंड और 19 अगस्त को अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान का सामना करेगा। पाकिस्तान के खिलाफ होने वाला यह मैच पूल स्टेज का सबसे चर्चित मुकाबला होगा। एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप के शुरुआती तीन संस्करणों में कांस्य (बार्सिलोना 1971), रजत (एम्स्टर्डम 1973) और स्वर्ण (कुआलालंपुर 1975) पदक जीतने के बाद भारतीय टीम को अगले पदक का इंतजार है।

विश्व कप के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम–

गोलकीपर– मोहित एचएस, सूरज करकेरा।

डिफेंडर– जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, यशदीप सिवाच।

मिडफील्डर– राजिंदर सिंह, आदित्य अर्जुन लालागे, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, नीलाकांता शर्मा, विवेक सागर प्रसाद।

फॉरवर्ड–दिलप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सुखजीत सिंह, मनदीप सिंह, अभिषेक।

कोच गंभीर पर भड़का यह दिग्गज, संजू–वैभव के बाद इस भारतीय खिलाड़ी के साथ अन्याय करने का लगाया आरोप

मुंबई,एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे और निर्णायक वनडे में भारत को 27 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ टीम इंडिया ने तीन मैचों की सीरीज 1–2 से गंवा दी। हार के बाद भारत के पूर्व मुख्य चयनकर्ता और 1983 विश्व कप विजेता कृष्णमाचारी श्रीकांत ने मुख्य कोच गौतम गंभीर और टीम प्रबंधन पर तीखा हमला बोला। श्रीकांत ने खास तौर पर केएल राहुल के बल्लेबाजी क्रम पर सवाल उठाए और कहा कि टीम प्रबंधन उनके साथ अन्याय कर रहा है। अपने यूट्यूब चैनल पर श्रीकांत ने कहा कि इतने बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय राहुल को नंबर–छह पर भेजना समझ से परे है। उन्होंने कहा, 387 रन के लक्ष्य का पीछा करते समय कोई केएल राहुल को नंबर–6 पर भेजता है क्या? इस खिलाड़ी ने मुश्किल रन चेज में भारत को कई मैच जिताए हैं। क्या राहुल नंबर–छह या नंबर–सात के बल्लेबाज हैं? श्रीकांत ने गंभीर पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल के साथ भी वही किया जा रहा है जो पहले संजू सैमसन और वैभव सूर्यवंशी के साथ हुआ। उन्होंने कहा, जिस तरह आपने संजू सैमसन और वैभव सूर्यवंशी का नुकसान किया, अब वही केएल राहुल के साथ कर रहे हैं। यह उनके साथ बहुत बड़ा अन्याय है। कल उनकी बॉडी लैंग्वेज भी घबराए हुए खिलाड़ी जैसी लग रही थी। श्रीकांत का मानना है कि राहुल को चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा जाना चाहिए था। उनके मुताबिक, राहुल और विराट कोहली की साझेदारी भारत के लिए मैच बदल सकती थी। उन्होंने कहा, भारत को उस समय जोस बटलर जैसी पारी खेलने वाले बल्लेबाज की जरूरत थी। अगर राहुल नंबर–चार पर आते तो वह विराट कोहली के साथ उसी तरह साझेदारी कर सकते थे, जैसी उन्होंने 2023 विश्व कप में कई बार की थी। उन्होंने

आगे कहा, जब मैच लगभग खत्म हो चुका था तब राहुल को बल्लेबाजी के लिए भेजा गया। 15 रन प्रति ओवर की जरूरत होने पर वह अक्षर पटेल के साथ मैच कैसे जिता सकते थे? 387 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को रोहित शर्मा के शानदार शतक और कप्तान शुभमन गिल तथा विराट कोहली के अर्धशतकों से अच्छी शुरुआत मिली। हालांकि मध्यक्रम इसका फायदा नहीं उठा सका। ईशान किशन, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे और टीम 27 रन से मैच हार गई। राहुल 44वें ओवर के अंत में बल्लेबाजी के लिए उतरे, जब भारत को जीत के लिए 36 गेंदों में 84 रन चाहिए थे। उन्होंने सिर्फ आठ गेंदों में 12 रन बनाए। 2023 वनडे विश्व कप में केएल राहुल ने पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 10 पारियों में 452 रन बनाए थे। हालांकि गौतम गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद उन्हें ज्यादातर नंबर–6 पर उतारा जा रहा है, जबकि कई मौकों पर अक्षर पटेल को उनसे पहले बल्लेबाजी के लिए भेजा गया। यह रणनीति 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में सफल रही थी, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ निर्णायक मुकाबले में इसी फैसले पर अब सवाल उठने लगे हैं।

कौन हैं अभिषेक पोरेल ? दुष्कर्म के आरोप में कोर्ट ने दिए तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश

मुंबई,एजेंसी। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलने वाले बंगाल के विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल कानूनी विवाद में घिर गए हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट ने मेडिकल छात्रा की शिकायत पर दर्ज दुष्कर्म और आपराधिक धमकी के मामले में पोरेल तथा एक अन्य आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए हैं। अदालत ने पुलिस को यह भी आदेश दिया है कि आरोपियों के पास मौजूद सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तुरंत जब्त किए जाएं ताकि शिकायतकर्ता की निजी तस्वीरों और वीडियो का दुरुपयोग न हो सके। हालांकि, यह मामला अभी न्यायिक प्रक्रिया में है और आरोप साबित नहीं हुए हैं। अभिषेक पोरेल पहले ही इन आरोपों से इनकार कर चुके हैं। मोगरा थाना (एफआईआर संख्या 346/2026) में भारतीय न्याय संहिता की कई गंभीर और गैर–जमानती धाराओं के तहत मामला दर्ज है। इनमें दुष्कर्म, आपराधिक धमकी और अन्य गंभीर अपराध शामिल हैं। इसके साथ ही आईटी एक्ट की धाराएं भी लगाई गई हैं। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि जांच के दौरान आरोपियों के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए जाएं ताकि शिकायतकर्ता की गरिमा और निजता की रक्षा की जा सके।

शिकायतकर्ता, जो मेडिकल छात्रा बताई जा रही है, का आरोप है कि वह पिछले तीन वर्षों से अभिषेक पोरेल के साथ रिश्ते में थी। उसके मुताबिक, क्रिकेटर ने शादी का वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए, लेकिन बाद में शादी से इनकार कर दिया। महिला का यह भी आरोप है कि पोरेल ने उसके साथ मारपीट की और निजी तस्वीरें और वीडियो सार्वजनिक

करने की धमकी देकर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। इन्हीं आरोपों के आधार पर पुलिस ने गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। दूसरी ओर, अभिषेक पोरेल इन सभी आरोपों को खारिज कर चुके हैं। मामले की जांच जारी है और अंतिम फैसला अदालत में सुनवाई के बाद ही होगा।

23 वर्षीय अभिषेक पोरेल पश्चिम बंगाल के चंदननगर के रहने वाले हैं और घरेलू क्रिकेट में बंगाल का प्रतिनिधित्व करते हैं। वह बाएं हाथ के विकेटकीपर बल्लेबाज हैं।

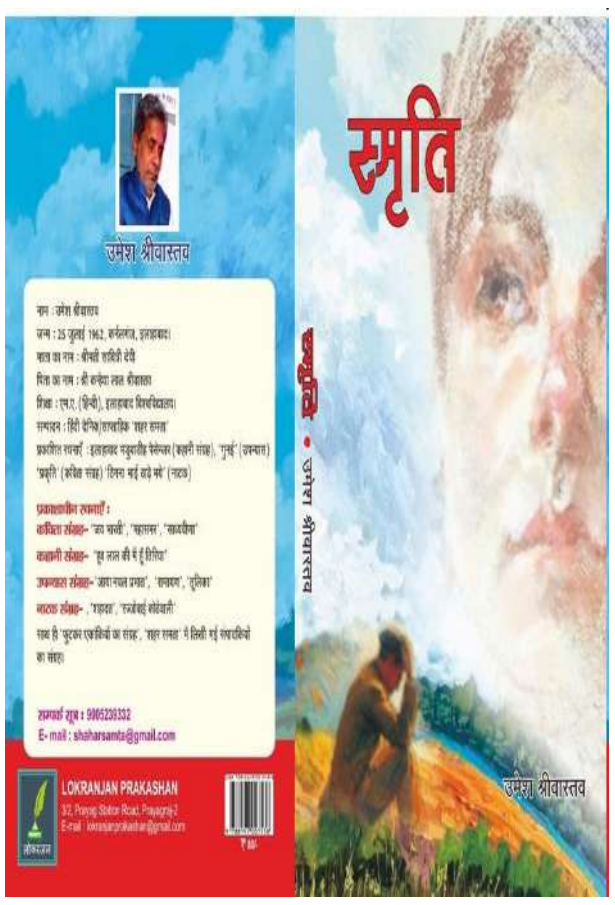

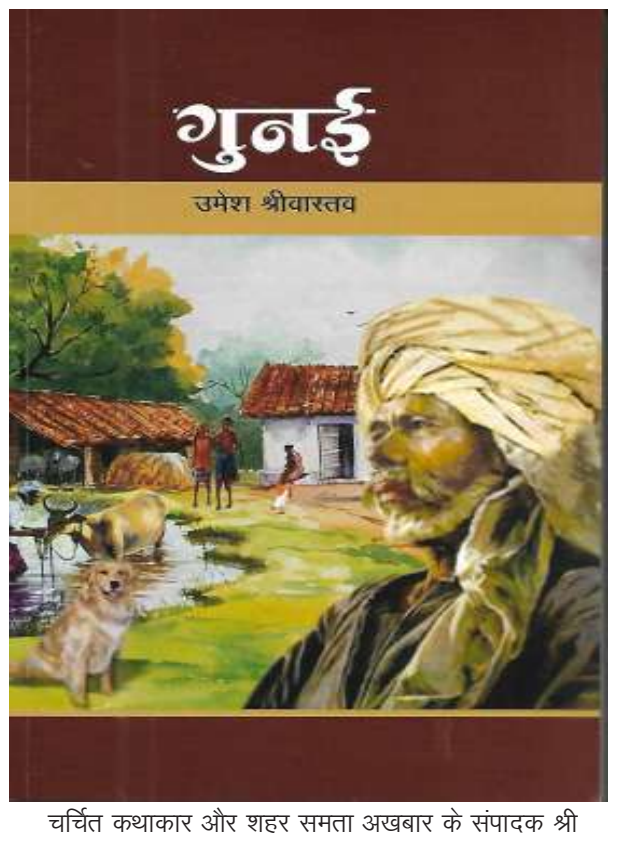

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

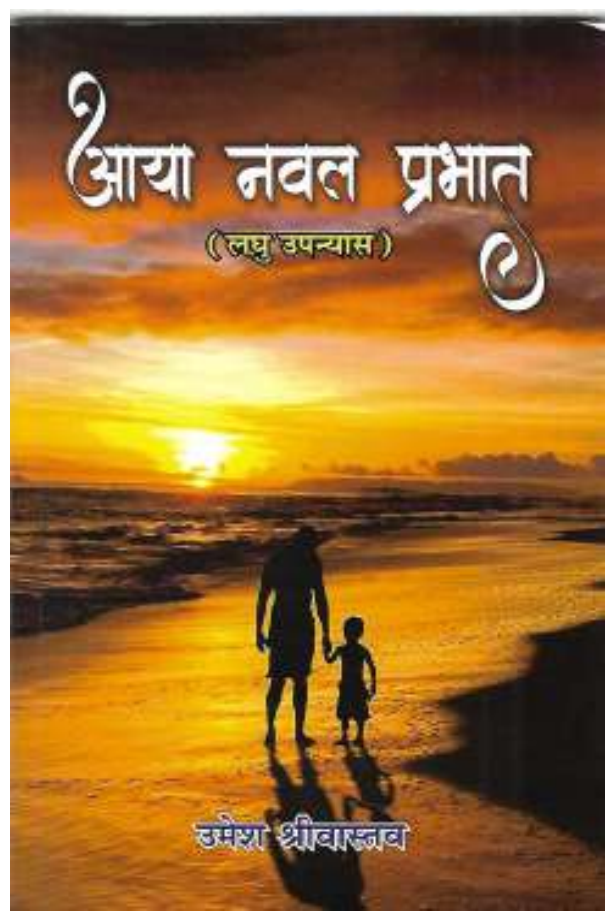

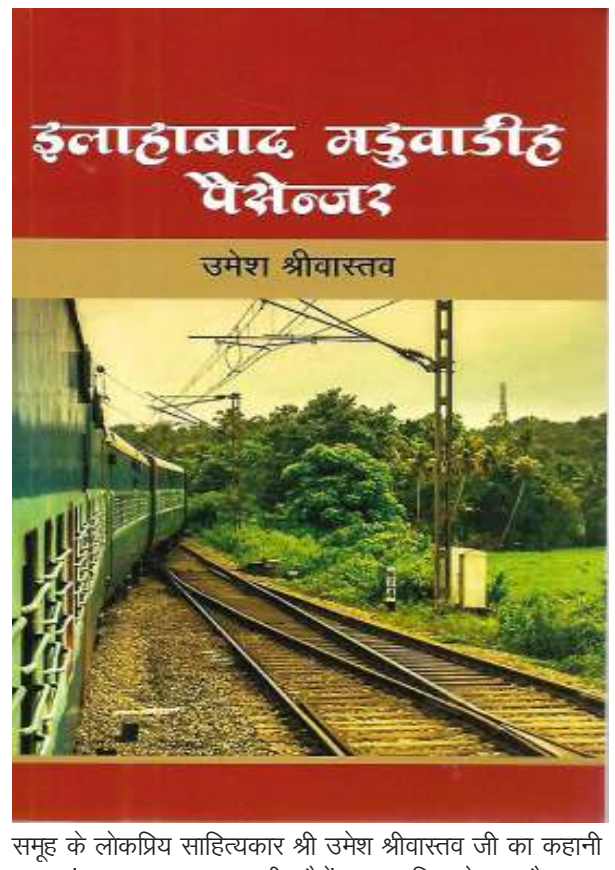

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

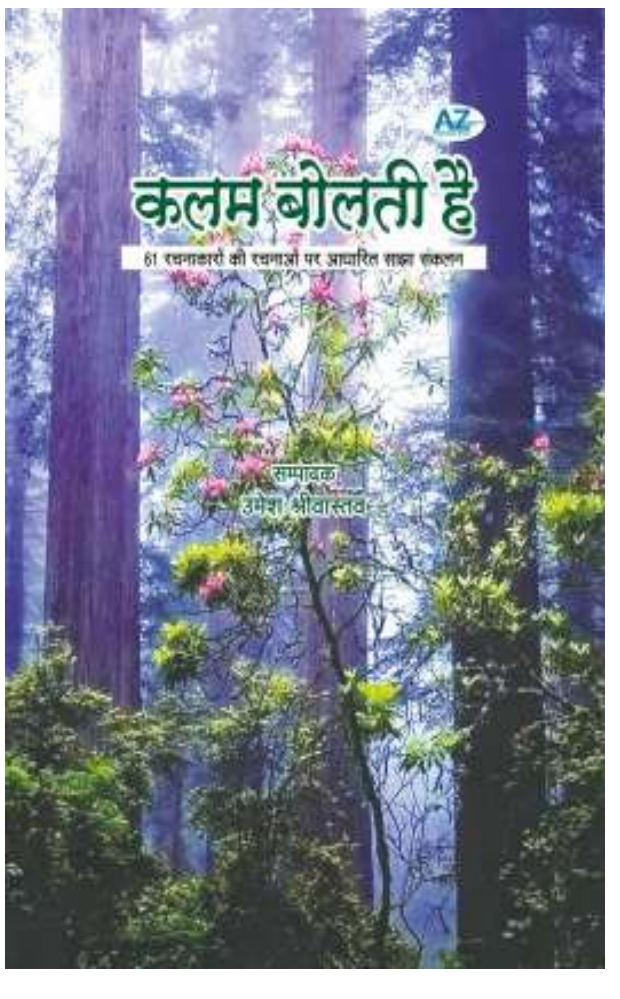

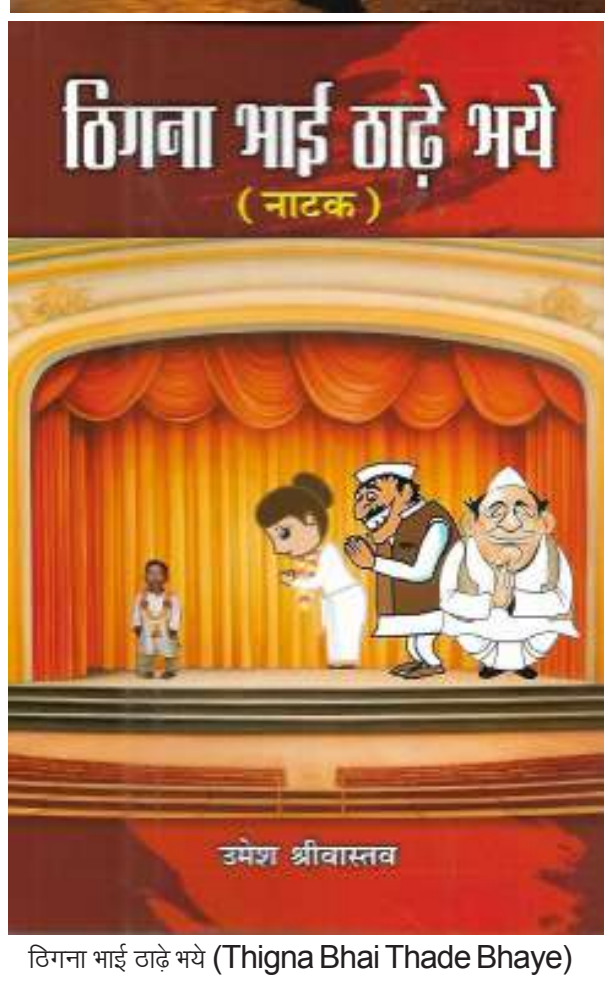

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अमेरिका में भारतीय नागरिक हरमनवीर सिंह की तलाश, FBI ने ड्रग तस्करी में घोषित किया वांछित

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई ने भारतीय नागरिक हरमनवीर सिंह की तलाश शुरू कर दी है। उस पर कनाडा स्थित रविंदर ढांडा गैंग के लिए

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ड्रग तस्करी करने का आरोप है। एफबीआई ने उसे वांछित घोषित करते हुए उसकी जानकारी सार्वजनिक की है। ऑपरेशन हार्डबॉल के तहत कार्रवाई एफबीआई की यह कार्रवाई श्ऑपरेशन हार्डबॉलश के तहत की गई है। यह अमेरिका, कनाडा और यूरोप की कानून प्रवर्तन एजेंसियों का संयुक्त अभियान है। इस अभियान का उद्देश्य लॉरेंस बिश्नोई, जग्गू भगवानपुरिया और रविंदर ढांडा जैसे संगठित अपराध गिरोहों के नेटवर्क पर कार्रवाई करना है। अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में फैला था नेटवर्क एफबीआई का कहना है कि रविंदर ढांडा ऑर्गेनाइज्ड क्राइम ग्रुप, जिसका संचालन कनाडा के वैंकूवर से होता है, अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में सक्रिय ड्रग तस्करी नेटवर्क को बड़ी मात्रा में कोकीन और मेथामफेटामाइन (मेथ) की सप्लाई करता था। जून में जारी हुआ था गिरफ्तारी वारंट एफबीआई के अनुसार, 23 जून 2026 को अमेरिका के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ऑफ कैलिफोर्निया की संघीय अदालत ने हरमनवीर सिंह के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। उस पर प्रतिबंधित मादक पदार्थों के वितरण, उनके निर्यात और तस्करी के इरादे से उन्हें अपने पास रखने की साजिश रचने के आरोप लगाए गए हैं। संयुक्त अभियान में 24 गिरफ्तार इस महीने अमेरिका, कनाडा और यूरोप की एजेंसियों ने संयुक्त अभियान चलाकर 24 लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें 11 आरोपी कैलिफोर्निया से पकड़े गए। ये सभी भारत से जुड़े तीन अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध गिरोहों से जुड़े बताए गए हैं। 37 लोगों पर अमेरिकी न्याय विभाग ने लगाए आरोप अमेरिकी न्याय विभाग ने ऑपरेशन हार्डबॉल के तहत कुल 37 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। इन पर अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी, संगठित अपराध और अन्य गंभीर आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने के आरोप हैं। अमेरिकी एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क की जांच और फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हैं।

न्यूयॉर्क फेडरल बिल्डिंग हमला: पूर्व अमेरिकी सैनिक ने ही लगाई आग, क्या इसके पीछे छिपी है कोई बड़ी आतंकी साजिश?

न्यूयॉर्क, एजेंसी। क्या न्यूयॉर्क की सबसे सुरक्षित इमारतों में से एक पर हमला किसी बड़ी आतंकी साजिश का हिस्सा था? न्यूयार्क में सोमवार की सुबह उस समय अफरा–तफरी मच गई, जब 26 फेडरल प्लाजा स्थित सरकारी इमारत के बाहर एक शख्स ने अंधाधुंध पटाखे चलाए और सीढ़ियों पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। इस इमारत में आव्रजन अदालत और एफबीआई कार्यालय समेत कई महत्वपूर्ण सरकारी दफ्तर

हैं। एफबीआई के न्यूयॉर्क फील्ड ऑफिस के सहायक निदेशक जेम्स बार्नेकल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान एंड्रयू अराबाका के रूप में हुई है, जो एक पूर्व अमेरिकी सैनिक है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। हमलावर के पास से क्या–क्या मिला और उसका इरादा क्या था? जांच एजेंसियों के मुताबिक, आरोपी एंड्रयू अराबाका बेहद खतरनाक मंसूबों के साथ वहां पहुंचा था। बार्नेकल ने बताया कि वह लोगों को गंभीर रूप से घायल करने के इरादे से हथियारों से लैस होकर आया था। पुलिस ने उसके पास से एक पेलेट गन (एयरसॉफ्ट राइफल), कई चाकू, एक हथौड़ा और एक धारदार हथियार बरामद किया है। उसने इमारत की तरफ एयरसॉफ्ट राइफल से पांच से सात पेलेट भी दागे। शुरुआती जांच के बाद एफबीआई अधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वह एक अमेरिका–विरोधी और सरकार–विरोधी चरमपंथी है। उसके पास से इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट विरोधी सामग्री भी मिली है। पूर्व सैनिक का खौफनाक कदमरू न्यूयॉर्क की फेडरल बिल्डिंग के बाहर आग लगाने वाला आरोपी एंड्रयू अराबाका पूर्व अमेरिकी सैनिक निकला। घातक हथियारों का जखीरारू हमलावर के बैग से पेलेट गन, चाकू, हथौड़ा, माचे और ज्वलनशील पदार्थ बरामद किया गया। सरकार विरोधी मानसिकतारू एफबीआई ने आरोपी को पूरी तरह से अमेरिका–विरोधी और सरकार–विरोधी चरमपंथी करार दिया है। जांबाज सुरक्षाकर्मी ने दबोचारू सीढ़ियों पर आग लगाते ही मुस्तैद सुरक्षाकर्मी ने आरोपी को जमीन पर पटक कर हिरासत में ले लिया। हाई–प्रोफाइल निशानाः जिस 26 फेडरल प्लाजा इमारत को निशाना बनाया गया, वहां खुद एफबीआई का दफ्तर और इमिग्रेशन कोर्ट स्थित है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

अमेरिका: सिर्फ हथियार नहीं, सप्लाई चेन पर होगा ट्रंप का फोकस, रक्षा क्षमता बढ़ाने के लिए उठाया बड़ा कदम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। इस आदेश का उद्देश्य अमेरिका की रक्षा आपूर्ति श्रृंखला को और मजबूत करना है। इसमें उन अहम सामग्रियों और उपकरणों को बनाने के लिए जरूरी कल–पुर्जों पर ध्यान दिया गया है, जिनकी जरूरत रक्षा क्षेत्र में होती है। व्हाइट हाउस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। इस आदेश में रक्षा कंपनियों को प्रोत्साहित किया गया है कि वे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विशेष खरीद कार्यक्रमों में इस्तेमाल होने वाले महत्वपूर्ण खनिजों, सामग्रियों और कल–पुर्जों के लिए नए घरेलू स्रोतों को मंजूरी देने की प्रक्रिया शुरू करें। इसके लिए अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के स्रोतों का इस्तेमाल किया जाएगा। साथ ही, इस प्रक्रिया में आने वाली सरकारी नियमों से जुड़ी बाधाओं को भी हटाने की बात कही गई है। आदेश में क्या कहा गया? व्हाइट हाउस के सूचना पत्र में कहा गया, यह आदेश उन परिस्थितियों को सीमित करता है, जिनमें रक्षा मंत्री को कुछ खास देशों से आने वाली अहम सामग्रियों के लिए छूट देनी चाहिए। इसमें कुछ मामलों में आपूर्ति श्रृंखला को अमेरिका में वापस लाने के लिए योजनाएं बनाना भी जरूरी किया गया है। व्हाइट हाउस ने बताया कि संवेदनशील सामग्रियों को उन देशों से लेने पर लंबे समय से रोक होने के बावजूद, आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने और घरेलू उत्पादन को बढ़ाने पर पहले पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। इसमें कहा गया कि नई बड़ी शक्तियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के दौर में अमेरिका का प्रभुत्व बनाए रखने के लिए जरूरी है कि वह अपनी आपूर्ति श्रृंखला को भौतिक हमलों, साइबर हमलों और आर्थिक नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों से सुरक्षित रखे। व्हाइट हाउस ने ट्रंप द्वारा पहले जारी किए गए कई कार्यकारी आदेशों का भी जिक्र किया गया। इसमें कहा गया कि अमेरिका अपनी रक्षा क्षमताओं को लगातार मजबूत कर रहा है। इनमें फरवरी 2026 में जारी एक आदेश भी शामिल है,

जिसमें अमेरिका पहले हथियार हस्तांतरण रणनीति बनाई गई थी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि अमेरिकी रक्षा उद्योग अमेरिका और उसके सभी सहयोगी देशों के लिए स्वतंत्रता के शस्त्रागार के रूप में काम करता रहे। इसमें ट्रंप की ओर से जारी अन्य कार्यकारी आदेशों का भी जिक्र किया गया। इनमें जनवरी 2025 में रक्षा खरीद व्यवस्था को आधुनिक बनाने और रक्षा उद्योग में नए आविष्कारों को बढ़ावा देने से जुड़ा आदेश शामिल है। इसके अलावा, मार्च 2025 में अमेरिकी खनिज उत्पादन बढ़ाने, मंजूरी प्रक्रिया को आसान बनाने और राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत करने से जुड़ा आदेश जारी किया गया। वहीं, अप्रैल 2025 में भी रक्षा खरीद को आधुनिक बनाने और रक्षा उद्योग में नए बदलावों को बढ़ावा देने के लिए एक आदेश जारी किया गया था।

सिंगापुर में भारतीय नागरिक को जेल, नकली हीरे से असली को बदलने का आरोप, एक अन्य पर फैसला आना बाकी

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर के चाइनाटाउन में एक आभूषण की दुकान से लगभग 2 लाख सिंगापुर डॉलर (1.54 लाख अमेरिकी डॉलर) का हीरा चुराने की साजिश रचने वाले दो भारतीय नागरिकों में से पहले आरोपी को जेल की सजा सुनाई गई है। मामले में 41 वर्षीय मंगरोलिया मनोजकुमार कुरजीभाई को चोरी का दोष स्वीकार करने के बाद दो साल, दो महीने और दो सप्ताह की जेल की सजा मिली है। वहीं, उसके साथी 30 वर्षीय सेरासिया मिलन रामनीकभाई के मामले की सुनवाई शुक्रवार को होगी। सूरत में बनवाया था नकली हीरा ये दोनों भारतीय नागरिक एक साझा दोस्त के जरिए मिले थे और सोशल पास पर सिंगापुर आए थे। सिंगापुर आने से पहले दोनों ने सूरत में एक नकली हीरा बनवाया था। यह नकली हीरा बिल्कुल असली हीरे के आकार और सीरियल नंबर के अनुसार तैयार किया गया था। हालांकि अदालती दस्तावेजों में यह स्पष्ट नहीं है कि उन्हें असली हीरे की यह जानकारी पहले कैसे मिली। उनकी योजना थी कि मंगरोलिया दुकान के सेल्स मैनेजर का ध्यान भटकाएगा और मिलन अपने मुंह में छिपाए नकली हीरे से असली हीरे को बदल देगा। इस तरह दिया वारदात को अंजाम दोनों आरोपी 19 जून 2026 को सिंगापुर पहुंचे। उनका मकसद चाइनाटाउन की श्डायनोचेश नाम के आभूषण की दुकान से 4.95 कैरेट का असली हीरा चुराना था। वे दोपहर करीब 3 बजे दुकान में घुसे और हीरा दिखाने को कहा। मंगरोलिया ने सेल्स मैनेजर को दुकान की अन्य चीजें दिखाने के लिए कहकर उसका ध्यान भटकाया। इसी बीच मंगरोलिया के इशारे पर मिलन ने मुंह से नकली हीरा निकाला और उसे असली हीरे से बदल दिया। उसने असली हीरे को अपने मुंह में छिपा लिया। हालांकि, उसकी यह हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। एयरपोर्ट पर गिरफ्तारी और बरामदगी इसके बाद दोनों आरोपी यह कहकर दुकान से चले गए कि वे खरीदने के बारे में सोचेंगे। उनके जाने के बाद सेल्स मैनेजर ने मशीन से जांच की तो हीरा नकली निकला। दोनों आरोपी होटल लौटे, समय से पहले चेक–आउठ किया और भारत की फ्लाइट बुक कर ली। हालांकि, रात करीब 8रू50 बजे चांगी एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 पर आव्रजन (इमिग्रेशन) प्रक्रिया के दौरान उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। असली हीरा मिलन के बैग से बरामद हुआ। अदालत में दलीलें सरकारी वकील यिप चेंग यी ने कहा कि यह एक सोची–समझी साजिश थी और दोनों केवल अपराध करने के लिए सिंगापुर आए थे। मंगरोलिया ने दुभाषिए के जरिए अदालत से कम सजा की गुहार लगाई और कहा कि भारत में उसके दो बच्चे हैं। इस अपराध के लिए अधिकतम सात साल की जेल और जुर्माने का प्रावधान है।

राष्ट्रपति की विदेश यात्रा: सफल मोल्दोवा दौरा कर उत्तरी मैसेडोनिया पहुंचीं द्रौपदी मुर्मू, पहली भारतीय मेहमान

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू यूरोपीय देशों के अपने तीन–राष्ट्र दौरे के तहत आज उत्तरी मैसेडोनिया पहुंची। यह किसी भी भारतीय राष्ट्रपति की उत्तरी मैसेडोनिया की पहली राजकीय यात्रा है। उनका यह दौरा द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। अपनी यात्रा के दूसरे चरण में, मुर्मू अपनी समकक्ष गोर्दाना सिलजानोव्स्का–दावकोवा के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी। वह प्रधानमंत्री क्रिस्टिजन मिकोस्की और विधानसभा अध्यक्ष अफ्रिम

गाशी से भी मिलेंगी। राष्ट्रपति मुर्मू यहां संसद को भी संबोधित करेंगी। वह भारत–उत्तरी मैसेडोनिया व्यापार मंच को भी संबोधित करने वाली हैं। क्या हैं भारत और उत्तरी मैसेडोनिया की प्राथमिकताएं? दोनों पक्ष कृषि, फार्मास्यूटिकल्स, विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में आर्थिक संबंधों को गहरा करने में रुचि रखते हैं। सूचना प्रौद्योगिकी और आईटी–सक्षम सेवाएं भी इसमें शामिल हैं। उत्तरी मैसेडोनिया 25,713 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है। इसकी सीमाएं दक्षिण में ग्रीस, पश्चिम में अल्बानिया, पूर्व में बुल्गारिया, उत्तर–पश्चिम में कोसोवो और उत्तर में सर्बिया से लगती हैं। उत्तरी मैसेडोनिया में भारतीय समुदाय छोटा है, जो मुख्य रूप से आईटी क्षेत्र, विश्वविद्यालयों में अध्यापन और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में कार्यरत है। राष्ट्रपति मुर्मू मदर टेरेसा स्मारक का भी दौरा करेंगी। मदर टेरेसा का जन्म 26 अगस्त, 1910 को स्कॉपजे में हुआ था, जो उत्तरी मैसेडोनिया की राजधानी है। मदर टेरेसा और भारत–उत्तरी मैसेडोनिया संबंध मदर टेरेसा 1928 तक स्कॉपजे में रहीं, फिर आयरलैंड चली गईं। वहां उन्होंने सिस्टर्स ऑफ लोरेटो में शामिल होने के बाद भारत का रुख किया। उन्हें 1980 में भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न प्रदान किया गया था। मदर टेरेसा स्मारक 2009 में बनाया गया था और यह स्कॉपजे के मध्य में स्थित है। मोल्दोवा में राष्ट्रपति का कार्यक्रम, सरकार ने क्या बताया? इससे पहले विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि भारत अपनी वृद्धि यात्रा के अगले 25 वर्षों की ओर देख रहा है। सरकार ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मोल्दोवा की ऐतिहासिक यात्रा ने एक स्पष्ट लक्ष्य तय किया है। यह लक्ष्य ७ टी॰ यानी व्यापार, प्रौद्योगिकी और प्रतिभा के माध्यम से आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देना है। 1992 में राजनयिक संबंध शुरू होने के बाद यह किसी भारतीय राष्ट्रपति की मोल्दोवा की पहली यात्रा है। दोनों देश अगले कुछ वर्षों में व्यापार को दोगुना करने के लिए प्रतिबद्ध इस यात्रा को दोनों देशों के बीच कारोबार के लिए एक बड़ा मोड़ माना जा रहा है। विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने एक विशेष प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति की यह यात्रा आर्थिक संबंधों में निर्णायक वृद्धि का संकेत है। जॉर्ज ने बताया कि यह एक ऐतिहासिक यात्रा है। यह मोल्दोवा के साथ भारत के संबंधों के महत्व को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि ७ टी॰ कार्यक्रम के तहत व्यापार एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है। वर्तमान में व्यापार के आंकड़े बहुत कम हैं। दोनों देश अगले कुछ वर्षों में व्यापार को दोगुना करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विदेश मंत्रालय ने विश्वास व्यक्त किया कि भारत का यूरोपीय संघ के साथ हालिया मुक्त व्यापार समझौता एक सेतु का काम करेगा। यह भारत और मोल्दोवा को वाणिज्य पर अधिक निकटता से काम करने में मदद करेगा। मोल्दोवा यूरोपीय संघ का एक उम्मीदवार देश है। बुनियादी ढांचे में भारत की भूमिका विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस यात्रा ने मोल्दोवा के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे में भारत की भूमिका को मजबूत किया है।

भारत की बढ़ती समुद्री ताकत: US-इस्राइल और यूरोप के रुख क्या, वैश्विक व्यापार की सुरक्षा में भूमिका कितनी अहम?

यरूशलम, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और लाल सागर में कारोबारी जहाजों पर हूती विद्रोहियों की ओर से किए जा रहे लगातार हमलों के बीच भारत की समुद्री ताकत तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है। भारत की बढ़ती नौसैनिक क्षमता सिर्फ इस्राइल ही नहीं, बल्कि अमेरिका और यूरोप के रणनीतिक हितों के लिए भी बेहद अहम बन गई है। इस्राइली अखबार द येरूशलम पोस्ट में प्रकाशित एक लेख में इस बदलाव को भारत का मैरीटाइम मोमेंट यानी समुद्री शक्ति का नया दौर बताया गया है। समुद्री व्यापार मार्गों की निगरानी अहम लेख के अनुसार, आज सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि समुद्री रास्तों पर किसका नियंत्रण है, बल्कि यह है कि उन्हें सुरक्षित रखने की क्षमता किसके पास है। भारत हिंद महासागर के बीचों–बीच स्थित है। इसकी पश्चिमी सीमा फारस की खाड़ी और लाल सागर को जोड़ने वाले समुद्री मार्गों के पास है। जबकि अंडमान–निकोबार द्वीप समूह मलक्का जलडमरूमध्य की निगरानी करता है, जो दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। ईरान–अमेरिका जंग के बीच होर्मुज की चर्चा क्यों? होर्मुज जलडमरूमध्य, बाब–अल–मंदेब और मलक्का जलडमरूमध्य आज दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग हैं। अगर इनमें से किसी एक में भी रुकावट आती है तो तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं, माल ढुलाई महंगी हो सकती है और पूरी दुनिया की सप्लाई चेन प्रभावित हो सकती है। बीते कुछ महीनों में यमन के हूती विद्रोहियों के जहाजों पर हमलों और ईरान से जुड़े तनाव ने यह खतरा साफ दिखाया है। समुद्री सुरक्षा देने वाला देश बना भारत लेख में कहा गया कि भारत अब केवल ऊर्जा आयात करने वाला बड़ा देश नहीं है, बल्कि समुद्री सुरक्षा देने वाला देश भी बन रहा है। 2008 से भारतीय नौसेना अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती के खिलाफ अभियान चला रही है। साल 2024 में बढ़ते समुद्री खतरों के दौरान भारत ने 30 से अधिक युद्धपोत तैनात किए, कई व्यापारी जहाजों को सुरक्षा दी और सैकड़ों नाविकों को बचाया। यह मदद किसी एक देश तक सीमित नहीं थी। मिलकर काम कर रहे भारत–इस्राइल पौशाली लास ने अपने लेख में कहा, भारत और इस्राइल के संबंध अब केवल रक्षा खरीद तक सीमित नहीं हैं।

दोनों देश रक्षा उत्पादन और नई तकनीक के क्षेत्र में मिलकर काम कर रहे हैं। उदाहरण के तौर पर इस्राइल की रक्षा कंपनी राफेल अब भारत में आयरन डोम इंटरसेप्टर बनाने की तैयारी कर रही है। इससे दोनों देशों की रक्षा आपूर्ति शृंखला और मजबूत होगी।

नीरव शाह ने सीनेट चुनाव से वापस लिया नाम, जानें क्या है डेमोक्रेट्स की तैयारी

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतवंशी नीरव शाह ने मेन राज्य से अमेरिकी सीनेट के डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव से अपना नाम वापस ले लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी करके ट्रॉय जैक्सन को अपना समर्थन देने की घोषणा की। शाह ने कहा कि सुसान कॉलिन्स को हराने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी का एकजुट होना बहुत जरूरी है। शाह कुछ हफ्ते पहले ही इस चुनाव में उतरे थे। इससे पहले ग्रैहम प्लेटनर के नाम वापस लेने के बाद उन्होंने चुनाव लड़ने का फैसला किया था। शाह मेन सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के पूर्व निदेशक रह चुके हैं। अब मेन डेमोक्रेटिक पार्टी को 27 जुलाई तक अपना नया उम्मीदवार चुनना है। 2028 प्राइमरी कैलेंडर पर इस हफ्ते हो सकता है मतदान दूसरी तरफ, अमेरिका में वर्ष 2028 के राष्ट्रपति चुनाव की तैयारियां धीरे–धीरे शुरू हो गई हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी इस सप्ताह अपने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के चयन के लिए होने वाले प्राइमरी चुनावों और कॉकस के क्रम (प्राइमरी कैलेंडर) पर शुरुआती फैसला ले सकती है। हालांकि, यह फैसला तब तक अंतिम नहीं माना जाएगा जब तक पूरी डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी (क्छब्) इस पर अपनी सहमति नहीं दे देती। पार्टी की वोटिंग का क्रम तय करने वाली समिति शुक्रवार को वाशिंगटन में होने वाली बैठक में यह फैसला ले सकती है। पार्टी की इस प्रक्रिया की जानकारी रखने वाले दो लोगों ने सोमवार को यह बात साझा की है। राज्यों की दावेदारी और बैठकों का दौर नियम और उपनियम समिति 2028 की प्राइमरी के दौरान राज्यों के मतदान के क्रम पर विचार करने के लिए हर महीने बैठकें कर रही है। समिति के सामने 10 से ज्यादा राज्यों ने अपनी प्रस्तुतियां दी हैं। ये राज्य अपने यहां सबसे पहले प्राइमरी और कॉकस चुनाव कराना चाहते हैं। इन राज्यों में आयोवा, मिशिगन, न्यू हैम्पशायर, नेवादा और साउथ कैरोलिना शामिल हैं। यह कैलेंडर अगस्त में होने वाली डीएनसी की पूरी बैठक में मंजूरी मिलने के बाद ही अंतिम माना जाएगा। प्रक्रिया में बदलाव की वजह डेमोक्रेट्स ने साल 2020 में आयोवा कॉकस के दौरान हुई गड़बड़ी के बाद अपनी इस प्रक्रिया में बदलाव किया था। उस समय विजेता के नाम को लेकर कई दिनों तक अनिश्चितता बनी रही थी। इसके बाद से पार्टी उन राज्यों को प्राथमिकता दे रही है जहां की आबादी में अधिक विविधता है। साल 2024 के चुनाव चक्र के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन ने साउथ कैरोलिना को सबसे पहले रखने का प्रयास किया था। उन्होंने तर्क दिया था कि आयोवा और न्यू हैम्पशायर जैसे राज्यों में ज्यादातर आबादी श्वेत है, जबकि साउथ कैरोलिना में नस्लीय विविधता अधिक है। साउथ कैरोलिना की दावेदारी साल 2020 में साउथ कैरोलिना के एकमात्र डेमोक्रेटिक सांसद जिम क्लाइबर्न ने बाइडन के कमजोर पड़ते अभियान को दोबारा खड़ा करने में मदद की थी। इसके बाद बाइडन ने वहां बड़ी जीत हासिल की और राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बने। अब साउथ कैरोलिना के नेता फिर से अपने राज्य को पहले स्थान पर रखने की मांग कर रहे हैं। उन्हें पांच दक्षिणी राज्यों के डेमोक्रेटिक पार्टी अध्यक्षों का समर्थन भी मिला है।

पुतिन से मिलीं उत्तर कोरिया की विदेश मंत्री

सिओल, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उत्तर कोरिया की विदेश मंत्री चोए सोन हुई से मुलाकात की। पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध में रूस का समर्थन करने के लिए उत्तर कोरिया का धन्यवाद किया। यह दोनों देशों के बीच हाल के समय की एक और अहम उच्चस्तरीय कूटनीतिक मुलाकात है। रूस के सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। क्या किम जोंग उन की रूस यात्रा की तैयारी हो रही है? उत्तर कोरिया की विदेश मंत्री चोए सोन हुई की यह रूस यात्रा ऐसे समय में हुई है, जब कोई बड़ा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन या दोनों देशों का कोई विशेष राष्ट्रीय समारोह नहीं है। इसलिए माना जा रहा है कि वह उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की संभावित रूस यात्रा की तैयारी कर रही हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।